Test Series Question Paper 09-12-2023

परिच्छेद: एक व्यक्ति दूसरों के ऐसा करने की प्रतीक्षा किए बिना जीवन के इस तरीके को अपना सकता है। और यदि कोई व्यक्ति आचरण के एक निश्चित नियम का पालन कर सकता है, तो इसका मतलब यह है कि व्यक्तियों का एक समूह भी वैसा ही कर सकता है। मुझे इस तथ्य पर जोर देना चाहिए कि किसी को भी सही रास्ता अपनाने के लिए किसी और का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। पुरुष आम तौर पर शुरुआत करने से झिझकते हैं अगर उन्हें लगता है कि उद्देश्य को पूरी तरह हासिल नहीं किया जा सकता है। मन की ऐसी मनोवृत्ति वास्तव में प्रगति में बाधक है।

प्रश्न- 1.निम्नलिखित में से कौन सा कथन उस कथन का तार्किक परिणाम कहा जा सकता है जो लेखक परिच्छेद में व्यक्त करना चाहता है?

(a) लोगों को वही करना चाहिए जो दूसरे कर रहे हैं।
(b) गतिविधि शुरू करनी है या नहीं, इस निर्णय में उद्देश्य प्राप्त करने का आकलन सबसे महत्वपूर्ण मानदंड होना चाहिए।
(c) दोनों (A) और (B)
(d) न तो (A) और न ही (B)

उत्तर - (D)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही नहीं है क्योंकि लोगों को दूसरों का अनुसरण नहीं करना चाहिए, इसलिए यह विकल्प गलत है। **कथन 2** भी सही नहीं है क्योंकि गतिविधि शुरू करनी है या नहीं, इस निर्णय में उद्देश्य प्राप्त करना सबसे महत्वपूर्ण मानदंड होना चाहिए, यह गलत है।

परिच्छेद : माना जाता है कि रोबोट पूरी तरह से भविष्य की ज़रूरत बन जाएंगे, वह भविष्य जिसका वादा विज्ञान कथा, फिल्मों और नाटक श्रृंखला में किया गया था। क्या यह भविष्य है, निश्चित रूप से मैं चाहता हूं। रोबोटिक भविष्य विशेष रूप से नैनोमीटर पैमाने पर नरम रोबोटों पर आधारित है जो एक दिन हमारे दिमाग, शरीर और तंत्रिकाओं में तैरेंगे। मैं अपने सहकर्मियों के साथ इस प्रोटोटाइप, एल्यूमीनियम, स्टील, कठोर प्लास्टिक, कच्चा लोहा और रबर जैसी विभिन्न सिंथेटिक सामग्रियों से बने इन छोटे जानवरों और उन्हें चुंबकीय सूक्ष्म कणों से जोड़ने के बारे में चर्चा कर रहा था। इन्हें चुंबकीय क्षेत्र लगाकर तैयार आकार में इकट्ठा किया जाता है। परिणाम टिंकरटॉय बॉल और स्टिक मॉडलिंग किट से बने फूलों या ज्यामितीय आकृतियों की तरह दिखते हैं।

प्रश्न-2. निम्नलिखित में से कौन सा कथन गद्यांश के निष्कर्ष को स्पष्ट रूप से बताता है?

(a) रोबोट एक समय विज्ञान कथा और नाटक थियेटर का सामान हुआ करते थे, जहां वे मंच पर अभिनय और नृत्य करते थे। यह प्रदर्शन करने वाले अभिनेताओं पर हावी रहेगा।
(b) रबर और प्लास्टिक जैसी बुनियादी सामग्रियों से बने नैनो-रोबोट पानी और गर्मी पर प्रतिक्रिया करने में सक्षम हैं और तेजी से उपयोगी हो जाएंगे।
(c) जो रोबोट टिंकरटॉय बॉल के आकार में इकट्ठे हो सकते हैं, वे भविष्य में कार्य करने की संभावना रखते हैं।
(d) रोबोट के आभासी मॉडल को उन्नत और वास्तविक मॉडल में बदलना।

उत्तर-(D)

स्पष्टीकरण- गद्यांश के गहन विश्लेषण के बाद सबसे सार्वभौमिक कथन **विकल्प (D)** होगा जो गद्यांश के सार का वर्णन करता है। **विकल्प (A)** कहता है कि रोबोट थिएटर, कला और कलाकारों पर प्रभुत्व बनाए रखेंगे; इसका कोई मतलब नहीं है. **विकल्प (B)** एक बुनियादी अवधारणा को संचालित करता है कि रबर और प्लास्टिक से बने रोबोट पानी और गर्मी के साथ प्रतिक्रिया कर सकते हैं, इसलिए यह भी एक गलत विकल्प है, और **विकल्प (C)** उन रोबोटों को निर्देश देता है जो टिंकरटॉय गेंद को आकार दे सकते हैं, एक बेहतर दुनिया होगी नेता; यह एक गलत कथन है जो परिच्छेद के अर्थ को स्पष्ट नहीं करता है।

परिच्छेद : मुख्य रूप से भारतीय क्षेत्रों में हरित संघवाद कोयला उत्पादन, खपत और संचलन पर अत्यधिक निर्भर है। राजनीतिकरण वाले क्षेत्रीय विभाजन के कारण पिछले दशकों में कोयले ने राजस्व और आजीविका खो दी है। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से क्षेत्रीय विभाजन, पर्यावरण-महत्वपूर्ण खंडों के रूप में ऊर्जा स्रोतों के साथ समान रूप से सहसंबद्ध है। कोयला, जो ऊर्जा का सबसे सस्ता स्रोत है, पूर्वी और मध्य भारत के गरीब क्षेत्रों में समान रूप से स्थित है, जबकि पवन और सौर प्रौद्योगिकियों द्वारा संचालित नवीकरणीय ऊर्जा, अपेक्षाकृत समृद्ध दक्षिणी और पश्चिमी भारतीय भागों में स्थित है। इनके बावजूद, सार्वजनिक क्षेत्र इकाई (पीएसयू) के स्वामित्व वाले प्रदूषण का कारण लगभग 85% है जो ऊर्जा के अन्य स्रोतों से अधिक है। रॉयल्टी, करों और खनन शुल्क के माध्यम से प्राप्त राजस्व छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड में राज्य सरकारों में भारी रोजगार दरों के माध्यम से जा रहा है।

प्रश्न-3. कोयला क्षेत्र के संदर्भ में क्या निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए?

(a) कोयला, सबसे सस्ता ऊर्जा स्रोत, पूर्वी और मध्य भारत के गरीब क्षेत्रों में समान रूप से स्थित है।
(b) पवन और सौर प्रौद्योगिकियों द्वारा संचालित नवीकरणीय ऊर्जा, कोयले की तुलना में अधिक प्रभावी स्रोत है।

(c) कोयला क्षेत्र इकाई से होने वाला प्रदूषण 85% है जो अन्य संसाधनों से अधिक है।
(d) हरित संघवाद के विचार को लागू करने में कोयला ऊर्जा एक प्रमुख कारक है।

उत्तर-(D)

स्पष्टीकरण - सबसे अच्छी धारणा विकल्प (D) होगी क्योंकि यह मानना बेहतर है कि कोयला ऊर्जा संघीय प्रभागों से कैसे प्रभावित होती है, इसलिए, विकल्प (D) सही है। परिच्छेद में **विकल्प (A) दिया गया है, यह मान्य धारणा नहीं हो सकती। विकल्प (B)** कोयले की तुलना में नवीकरणीय ऊर्जा को अधिक प्रभावी स्रोत के रूप में बताता है, इसलिए, यह एक बेहतर धारणा नहीं हो सकती है। **विकल्प (C)** कोयले से होने वाले प्रदूषण के बारे में बात करता है जो अन्य ऊर्जा संसाधनों की तुलना में अधिक है, गलत अनुमान लगाया गया है।

गद्यांश : इस तथ्य में कोई संदेह नहीं है कि भारत की जांच गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता है ताकि भारतीय पुलिस अपनी जांच में सर्वोत्तम वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग कर सके। इसके अलावा, भारतीय अदालतों को पुलिस जांच विंग की सिफारिश पर विभिन्न आयोगों और समितियों में सुधारों की भी समीक्षा करने की आवश्यकता है। जांच के मामले पर मलिमथ समिति ने सुझाव दिया कि जांच विंग को कानून व्यवस्था से मुक्त रखा जाना चाहिए. हालाँकि यह सिफ़ारिश कोई सिद्ध रामबाण नहीं है या इस क्षेत्र में पूरी तरह से सुधार नहीं कर रही है, केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को अनियमितताओं के लिए पुलिस को दोषी ठहराने से पहले मामले की समीक्षा करने का प्रयास करना चाहिए।

प्रश्न-4. परिच्छेद के सार को समझते हुए, निम्नलिखित में से कौन सा कथन लेखक द्वारा निहित सर्वोत्तम संदेश को दर्शाता है?

(a) जांच विंग में भ्रष्ट आचरण के कारण भारतीय पुलिस पर अक्सर निष्पक्ष जांच नहीं करने का आरोप लगाया जाता है।
(b) जांच विंग पर आरोप लगाए गए थे इसलिए मलिमथ समिति ने एक निष्पक्ष जांच प्रणाली की सिफारिश की जो कानून और व्यवस्था से मुक्त होनी चाहिए।
(c) जांच व्यवस्था में अनियमितता ने सरकार की छुपी मंशा पर सवाल उठाया.
(d) पुलिस जांच व्यवस्था की कार्यप्रणाली की समीक्षा की जरूरत है.

उत्तर- (D)

स्पष्टीकरण- विकल्प (D) सही है और परिच्छेद के सार को सर्वोत्तम रूप से दर्शाता है; यह एक बेहतर निहितार्थ है जो परिच्छेद के सार को प्रस्तुत करता है कि पुलिस जांच प्रणाली की कार्य प्रक्रिया की समीक्षा करने की आवश्यकता है, इसलिए यह परिच्छेद के सर्वोत्तम सार को प्रस्तुत करता है। **विकल्प (A)** गलत है भारतीय पुलिस की भ्रष्ट प्रथाओं के बारे में बात करता है जबकि **विकल्प (B)** गलत है और इंगित करता है कि जांच विंग पर आरोप लगाया गया है। **विकल्प (C)** सही नहीं है क्योंकि यह सरकार पर अनियमितताओं के लिए छिपे इरादों का आरोप लगाता है।

परिच्छेद: कई किसान हानिकारक कीड़ों को मारने के लिए सिंथेटिक कीटनाशकों का उपयोग करते हैं। कुछ विकसित देशों में कीटनाशकों की खपत 3000 ग्राम/हेक्टेयर तक पहुँच रही है। दुर्भाग्य से, ऐसी रिपोर्टें हैं कि इन यौगिकों में अंतर्निहित विषाक्तता है जो फार्म संचालकों, उपभोक्ताओं और पर्यावरण के स्वास्थ्य को खतरे में डालती है। सिंथेटिक कीटनाशक आमतौर पर पर्यावरण में लगातार बने रहते हैं। खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करके वे सूक्ष्मजीव विविधता को नष्ट कर देते हैं और पारिस्थितिक असंतुलन का कारण बनते हैं। उनके अंधाधुंध उपयोग के परिणामस्वरूप कीटों में कीटनाशकों के प्रति प्रतिरोध का विकास हुआ है, प्रकृति में संतुलन बिगड़ गया है और उपचारित आबादी का पुनरुत्थान हुआ है। वनस्पतिक कीटनाशकों का उपयोग करके प्राकृतिक कीट नियंत्रण उपयोगकर्ता और पर्यावरण के लिए अधिक सुरक्षित है क्योंकि वे सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में कुछ घंटों या दिनों के भीतर हानिरहित यौगिकों में टूट जाते हैं। कीटनाशक गुणों वाले पौधे लाखों वर्षों से पारिस्थितिकी तंत्र पर किसी भी दुष्प्रभाव या प्रतिकूल प्रभाव के बिना प्रकृति में मौजूद हैं। वे अधिकांश मिट्टी में पाए जाने वाले अनेक सूक्ष्मजीवों द्वारा आसानी से विघटित हो जाते हैं। वे जैविक विविधता, शिकारियों के रखरखाव और पर्यावरणीय प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य खतरों को कम करने में मदद करते हैं। पौधों से तैयार किए गए वानस्पतिक कीटनाशक बायोडिग्रेडेबल हैं और फसल सुरक्षा में उनका उपयोग एक व्यावहारिक टिकाऊ विकल्प है।

प्रश्न- 5. जैव कीटनाशकों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. वे मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक नहीं हैं।
2. वे पर्यावरण में लगातार बने रहते हैं।
3. ये किसी भी पारिस्थितिकी तंत्र की जैव विविधता को बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर- (A)

स्पष्टीकरण - कथन 1 सही है क्योंकि परिच्छेद कहता है कि वे पारिस्थितिकी तंत्र पर किसी भी बुरे या प्रतिकूल प्रभाव के बिना लाखों वर्षों से प्रकृति में हैं। **कथन 2** गलत है क्योंकि परिच्छेद में कहा गया है कि सिंथेटिक कीटनाशक आम तौर पर पर्यावरण में बने रहते हैं, जैव कीटनाशक नहीं। **कथन 3** गलत है क्योंकि यह बहुत दूर की कौड़ी है। इसलिए, सही उत्तर है (A)

प्रश्न-6. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. आधुनिक कृषि में कभी भी सिंथेटिक कीटनाशकों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

2. टिकाऊ कृषि का एक उद्देश्य न्यूनतम पारिस्थितिक असंतुलन सुनिश्चित करना है।
3. कृत्रिम कीटनाशकों की तुलना में वानस्पतिक कीटनाशक अधिक प्रभावी होते हैं।

ऊपर दी गई धारणाओं में से कौन सी सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2, और 3

उत्तर- (C)

स्पष्टीकरण- कथन 1 आधुनिक कृषि में सिंथेटिक कीटनाशकों के उपयोग की सिफारिश करता है। अत: यह धारणा सही है। **कथन 2 गलत** है क्योंकि यह कहता है कि न्यूनतम पारिस्थितिक असंतुलन टिकाऊ कृषि का लक्ष्य नहीं है। **कथन 3** सही है और कहता है कि सिंथेटिक कीटनाशक वनस्पतिक कीटनाशकों की तुलना में कम प्रभावी हैं।

परिच्छेद : भारतीय शासन प्रणाली की संवैधानिक योजना तीन अलग-अलग राज्यों की कार्यकारी शक्ति, न्यायपालिका शक्ति और विधायिका के बीच शक्ति के हथियारों की कल्पना करती है। यह नौकरशाही और सेना के बीच विभाजन की एक रेखा भी खींचता है। नौकरशाही और सेना दोनों सीधे तौर पर निर्वाचित शक्तियों के नियंत्रण में हैं। वे तथाकथित राजनेताओं द्वारा सख्ती से निर्देशित हैं। इस अर्थ में, व्यवस्था के प्रति नौकरशाही की निष्पक्षता के कारण चुनाव आयोग को अपनी विश्वसनीयता पर संदेह हुआ है। घरेलू राजनीति में शामिल सैन्य शक्ति को तानाशाही के अधीन माना जा सकता है। नौकरशाही और सैन्य अधिकारियों को लोगों द्वारा चुनी गई शक्तियों के प्रति वफादार रहने की परिकल्पना की गई है, चाहे वे भाग लेना चाहें या नहीं। निर्वाचित अधिकारी उन्हें सत्तारूढ़ दल के हित में प्रदर्शन करने के लिए मजबूर करते हैं। यदि सत्ताधारी दल को न्यायपालिका की ताकतों से चुनावी लाभ मिलता है, तो राष्ट्र को अवश्य ही नुकसान होगा। यदि ये संस्थाएं तानाशाही से मुक्त हैं तो यह एक राष्ट्र के लिए उल्लेखनीय है।

प्रश्न-7. दिए गए परिच्छेद के लिए सबसे अच्छी धारणा क्या होगी?

(a) नौकरशाही और सैन्य अधिकारियों को निर्वाचित शक्तियों के प्रति वफादार रहने की परिकल्पना की गई है।
(b) कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका शक्तियों को तानाशाही का सख्ती से पालन करना चाहिए।
(c) संवैधानिक शक्तियाँ राजनीतिक नियंत्रण से मुक्त होनी चाहिए।
(d) निर्वाचित राजनेताओं का विधायी शक्तियों पर नियंत्रण होना चाहिए।

उत्तर-(C)

स्पष्टीकरण- विकल्प (C) उपरोक्त परिच्छेद की सबसे सही धारणा है क्योंकि यह दर्शाता है कि संवैधानिक शक्तियां राजनीतिक नियंत्रण से मुक्त होनी चाहिए, इसलिए विकल्प (सी) परिच्छेद का सबसे अच्छा अनुमान और सार है। **विकल्प (A) में** गलत कहा गया है कि नौकरशाही और सैन्य बलों को निर्वाचित शक्तियों के प्रति वफादार होना चाहिए, इसलिए यह सही धारणा नहीं हो सकती है । **विकल्प (B)** में उल्लेख किया गया है कि सभी तीन शक्तियों को तानाशाही के अधीन होना चाहिए, ऐसी संस्थाओं के लिए तानाशाही में रहना सही दृष्टिकोण नहीं है, इसलिए यह एक गलत धारणा है। **विकल्प (D)** सही नहीं है क्योंकि यह राजनेताओं के लिए विधायी शक्तियों पर नियंत्रण रखने का मार्ग दर्शाता है। राजनेता जनता के प्रतिनिधि होते हैं जो उन्हें शक्तियों के अनुसार प्रशासन और कार्य करने के लिए चुनते हैं न कि शक्तियों पर नियंत्रण करने के लिए।

परिच्छेद : जलवायु परिवर्तन से बड़ी संख्या में लोगों को बढ़ते पर्यावरणीय जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उन्हें पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने अभी तक प्रवासियों की इस नई श्रेणी को मान्यता नहीं दी है। अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत शरणार्थी शब्द के अलग-अलग अर्थ के कारण जलवायु शरणार्थियों की परिभाषा और स्थिति पर कोई सहमति नहीं है। यह समझने में अभी भी कमियां हैं कि जलवायु परिवर्तन प्रवासन के मूल कारण के रूप में कैसे काम करेगा। जलवायु शरणार्थियों की पहचान हो भी गई तो सुरक्षा कौन देगा? जलवायु परिवर्तन के कारण अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन पर अधिक जोर दिया गया है। लेकिन देशों के भीतर ऐसे लोगों के प्रवासन को पहचानने की आवश्यकता है, ताकि उनकी समस्याओं का उचित समाधान किया जा सके।

प्रश्न-8. उपरोक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन सा सबसे तर्कसंगत निष्कर्ष है?

(a) दुनिया जलवायु शरणार्थियों के बड़े पैमाने पर प्रवास का सामना करने में सक्षम नहीं होगी।
(b) हमें आगे जलवायु परिवर्तन को रोकने के तरीके और साधन खोजने होंगे।
(c) जलवायु परिवर्तन भविष्य में लोगों के प्रवासन का सबसे महत्वपूर्ण कारण होगा।
(d) जलवायु परिवर्तन और प्रवासन के बीच संबंध को अभी तक ठीक से समझा नहीं जा सका है।

उत्तर- (D)

स्पष्टीकरण- विकल्प (D) को परिच्छेद के विचार और सार के रूप में सबसे अच्छा अनुमान लगाया जा सकता है। इसलिए, सही उत्तर है (D) **विकल्प (A)** और **(C) का** अनुमान परिच्छेद से नहीं लगाया जा सकता है। वे दूरदर्शी और अतिवादी हैं। **विकल्प (B) का** परिच्छेद से दृढ़तापूर्वक अनुमान या अनुमान नहीं लगाया जा सकता।

परिच्छेद: दलित समुदायों को अपनी राजनीतिक पहचान में बदलाव की आवश्यकता है। उन्हें राजनीति के बारे में अपनी जागरूकता को अर्थशास्त्र और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ जोड़ने की जरूरत है। इनके लिए उन्हें भारतीय न्याय व्यवस्था में अपने राजनीतिक दल बनाकर मजबूत राजनीतिक पहुंच बनानी होगी। संरचनात्मक रूप से, यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि पार्टी के भीतर उनकी कार्यप्रणाली अधिक लोकतांत्रिक हो ताकि सक्रिय नेताओं को अपनी पार्टियों में उचित राजनीतिक स्थान मिल सके और वे किसी भी जातीय प्रवृत्ति से दूर रहें जो उन्हें इन पार्टियों के भीतर अपनी लोकतांत्रिक पहचान विकसित करने से रोकेगी। दुर्भाग्य से, कुछ क्षेत्रीय दल या समूह जातीय राजनीतिक संस्कृति को रोकने में अक्सर विफल रहे। आम दलित जनता को दूसरों को अपनी उपस्थिति का एहसास कराने के लिए कठोर संघर्षों का सामना करना पड़ता है ताकि अन्य राजनीतिक दलों द्वारा उनके समान अस्तित्व के अधिकार के लिए सामाजिक कल्याण योजनाएं शुरू की जा सकें। इन सामाजिक कल्याण योजनाओं को दो तरह से काम करना चाहिए। सबसे पहले, ये योजनाएं उस पार्टी के साथ राजनीतिक संबंध बनाती हैं जो सत्ता में है या जिसे सत्ता में आना पड़ सकता है। दूसरे, इन राजनीतिक दलों को दलित समुदायों की सबसे सीमांत रेखा से भी नए लोगों और जुड़ने वालों को सुनिश्चित करने और प्रेरित करने की बुनियादी शर्त का समर्थन करना चाहिए। इन उभरती आकांक्षाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर लोकतांत्रिक हस्तक्षेप और सोशल मीडिया प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इनके परिणामस्वरूप एक नई दलित मानसिकता का निर्माण हुआ होगा।

प्रश्न-9. उपरोक्त परिच्छेद से सबसे उपयुक्त निष्कर्ष क्या होगा?

(a) भारतीय राजनीति में दलित राजनीति का विकास होना चाहिए।
(b) आम दलितों ने अपने अस्तित्व के लिए कड़ा संघर्ष किया ताकि अन्य राजनीतिक दलों द्वारा उनके लिए सामाजिक कल्याण योजनाएं शुरू की जा सकें।
(c) दलितों को भारतीय न्याय व्यवस्था में अपनी राजनीतिक पार्टियां बनाकर मजबूत राजनीतिक पहुंच बनानी चाहिए।
(d) अन्य राजनीतिक दलों को अपने नतीजे तलाशने के लिए दलितों का समर्थन करना चाहिए।

उत्तर-(A)

स्पष्टीकरण- विकल्प (A) परिच्छेद के अनुसार सही अनुमान होगा, दलित राजनीति को भारतीय राजनीति में उभरना चाहिए। **विकल्प (B)** उनके कठोर संघर्ष के लिए सामाजिक

कल्याण योजना के बारे में ग़लत बात करता है। **विकल्प (C)** गलत है क्योंकि यह उनके अपने राजनीतिक दलों के गठन के बारे में है। **विकल्प (D) अन्य पार्टियों के समर्थन के बारे में है, विकल्प (A) को** छोड़कर कोई भी विकल्प सार्वभौमिक रूप से परिच्छेद के निष्कर्ष को समाप्त नहीं करता है।

अनुच्छेद: भूटान चीन के साथ राजनयिक संबंध नहीं रखना चाहता है। उनकी पहली यात्रा किसी भूटानी विदेश मंत्री द्वारा सीमा वार्ता आयोजित करने के लिए चीन की थी जो पहले सात साल से अधिक समय तक नहीं हुई थी। ऐसा माना जा रहा था कि दोनों देशों के संयुक्त बयान से बातचीत में मानक प्रगति हुई है। बातचीत में उन्होंने संयुक्त रूप से सीमा के सीमांकन और परिसीमन पर सहयोग की कार्यप्रणाली को रेखांकित करने वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भूटान में राजनयिक संबंध स्थापित करने और फिर उनकी सीमा वार्ता के लिए आह्वान किया लेकिन कोई अपेक्षित परिणाम नहीं निकला। भारत, जो चीन की तुलना में भूटान के साथ एक विशेष संबंध साझा करता है, संभवतः राजनयिक संबंधों के साथ एक नए सीमा समझौते पर हस्ताक्षर करने की दिशा में है। लेकिन ये कूटनीतिक नतीजे लगातार अपरिहार्य प्रतीत हो रहे हैं। भूटानी प्रधान मंत्री ने एक अखबार में साक्षात्कार में कहा कि ये दोनों देश सीमा सीमांकन पर तीन-चरणीय रोड मैप को पूरा करने के प्रभारी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि चीन के साथ कोई भी ऐसा समझौता नहीं किया जाएगा जो भारत के हितों के खिलाफ हो।

प्रश्न-10. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सी धारणा मान्य है?

(a) भारत के भूटान और चीन के साथ निष्पक्ष राजनयिक संबंध और सीमा निर्धारण हैं।
(b) चीन का भारत के साथ-साथ भूटान के साथ भी सीमा निर्धारण को लेकर विवाद है।
(c) सीमा निर्धारण को लेकर भूटान और चीन के बीच राजनयिक संबंध तनाव में हैं।
(d) तनाव रोकने के लिए पड़ोसी देशों के बीच सीमाओं के सीमांकन और परिसीमन की रूपरेखा वाला एक समझौता होना चाहिए।

उत्तर- (C)

स्पष्टीकरण - विकल्प (C) परिच्छेद पर बनाई गई सबसे मान्य धारणा है, परिच्छेद के अनुसार भूटान और चीन के बीच सीमा सीमांकन के कारण तनाव में राजनयिक संबंध हैं, इसलिए, यह विकल्प परिच्छेद की वैध धारणा को सबसे अच्छी तरह पकड़ता है । **विकल्प (A)** एक वैध धारणा नहीं है क्योंकि यह भारत के निष्पक्ष राजनयिक संबंधों के बारे में बात करता है न कि भूटान और चीन के संबंधों के बारे में जैसा कि परिच्छेद में दर्शाया गया है । **विकल्प (B)** मान्य नहीं है क्योंकि यह भारत और भूटान के साथ चीन के विवाद के बारे में बात करता है जो कि अनुच्छेद में स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है। **विकल्प (D) में** तनाव रोकने के लिए गलत कहा गया है और इसमें कहा गया है कि पड़ोसी देशों के बीच सीमा का सीमांकन होना चाहिए।

परिच्छेद: एक नवोन्मेषी भारत समावेशी होने के साथ-साथ तकनीकी रूप से भी उन्नत होगा, जिससे सभी भारतीयों के जीवन में सुधार होगा। नवाचार और अनुसंधान एवं विकास सामाजिक असमानता में वृद्धि को कम कर सकते हैं और तेजी से शहरीकरण से उत्पन्न दबाव से राहत दिला सकते हैं। कृषि और ज्ञान-प्रधान विनिर्माण और सेवाओं के बीच उत्पादकता में बढ़ते अंतर से आय असमानता बढ़ने का खतरा है। भारत की अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं और विश्वविद्यालयों को गरीब लोगों की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करके और ज्ञान को अवशोषित करने के लिए अनौपचारिक फर्मों की क्षमता में सुधार करके, एक नवाचार और अनुसंधान एजेंडा इस प्रभाव का मुकाबला कर सकता है। समावेशी नवाचार वस्तुओं और सेवाओं की लागत को कम कर सकता है और गरीब लोगों के लिए आय-अर्जन के अवसर पैदा कर सकता है। (2017)

प्रश्न-11. निम्नलिखित में से कौन सी सबसे तार्किक और तर्कसंगत धारणा है जो उपरोक्त परिच्छेद से बनाई जा सकती है?

(a) ग्रामीण-से-शहरी प्रवासन को कम करने का एकमात्र तरीका नवाचार और अनुसंधान एवं विकास है।
(b) प्रत्येक तेजी से बढ़ते देश को कृषि और अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता के बीच अंतर को कम करने की आवश्यकता है।
(c) समावेशी नवाचार और अनुसंधान एवं विकास एक समतावादी समाज बनाने में मदद कर सकते हैं।
(d) तीव्र शहरीकरण तभी होता है जब किसी देश की आर्थिक वृद्धि तीव्र होती है।

उत्तर- (C)

स्पष्टीकरण - विकल्प (C) सही और सर्वोत्तम विकल्प है क्योंकि यह अनुच्छेद में प्रस्तुत व्यापक विचार को दर्शाता है। **विकल्प (A)** और **(D)** अपने अतिवादी शब्दों 'केवल' के कारण संदर्भ से बाहर हैं। **विकल्प (B)** सही नहीं है क्योंकि यह परिच्छेद के संदर्भ में बहुत सामान्य है।

परिच्छेद: इस मानसून सीज़न में कुछ मोटे अनाज, जैसे मूंगफली, और दालों की प्रारंभिक स्वतंत्र फसल के अनुमान के अनुसार तीन साल कम दर पर पहुंचने की उम्मीद है, जैसे कि चावल और अन्य अनाज, जो कुल उत्पादन उत्पादन में 1.5% से -4% तक की वृद्धि करते हैं। इस मौसम में। दालों और अन्य अनाजों में खुदरा मुद्रास्फीति सामान्य वर्षा से 6% से 8% कम रही। सितंबर महीने के अंत में ख़रीफ़ फसल के बीज की बुआई में मामूली 3% से 0.2% की वृद्धि हुई। इसके अलावा, जूट पर -5.6% और पल्स पर मार करने की दर -7.2% से -6.3% पर पहुंच गई है। इसकी तुलना में, वर्ष 2021-22 में दाल उत्पादन 8.24% से 6.9% से 7.3%

कम होने की उम्मीद है। पिछले वर्षों की तुलना में कुल उत्पादन के साथ पल्स दर में गिरावट जूट और अन्य सामग्रियों की तुलना में 7.3% से 6.9% अधिक है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने 2022 में जारी होने वाली खरीफ फसल पर एक परियोजना शुरू की, जिसमें अरहर की फसल के साथ-साथ दालों में लगभग 5% की गिरावट आई, जो कि पिछले साल के 3.31% से थोड़ा कम होकर 3.22% की सामान्य सीमा तक आने की उम्मीद है। हालाँकि, उड़द और मूंग दालों में तेज गिरावट देखी जा रही है, जिससे पिछले साल के उत्पादन की तुलना में 1.5% से 1.4% की कटौती होने की उम्मीद है।

प्रश्न-12. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर आप सबसे अच्छी धारणा क्या मान सकते हैं?

(a) अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि सामान्य से कम बारिश के बावजूद खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर महीने के अंत में सीमांत सीमा पर 0.2% बढ़कर o.3% से 0.2% हो जाएगी।
(b) अर्थशास्त्रियों को खुदरा मुद्रास्फीति की उम्मीद है, हालांकि, मूंग और उड़द में सबसे कम 1.5% से 1.4% की गिरावट देखी जा रही है।
(c) अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि वर्ष 2022 में खुदरा मुद्रास्फीति, दालों का उत्पादन 6.9% से 7.3% के बीच गिरता हुआ दिखाई देगा।
(d) अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में दलहन फसलों में खुदरा मुद्रास्फीति ऊंची बनी रहेगी।

उत्तर-(D)

स्पष्टीकरण - विकल्प (D) परिच्छेद की सही धारणा है क्योंकि यह माना जा सकता है कि यदि पल्स दर में पिछले वर्षों से गिरावट आती है, तो यह आगामी वर्षों में भी जारी रहेगी, और आगामी वर्षों में उच्च मुद्रास्फीति दर की शुरुआत करेगी। **विकल्प (A)** गद्यांश के दिए गए डेटा का वैसा ही अनुमान लगाता है जैसा वह है, इसलिए यह एक धारणा नहीं हो सकती है । **विकल्प (B)** उड़द और मूंग को छोटी गिरावट सीमा के साथ उच्च-रेटेड मुद्रास्फीति सामग्री के रूप में इंगित करता है जिसे गलत तरीके से माना गया है । **विकल्प (C)** सही नहीं है जैसा कि परिच्छेद में दिया गया है।

परिच्छेद: आईएमएफ ने बताया है कि एशिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं को 'मध्यम-आय जाल' में फंसने का खतरा है। इसका मतलब यह है कि इन देशों में औसत आय, जो अब तक तेजी से बढ़ रही थी, एक बिंदु से आगे बढ़ना बंद कर देगी - एक ऐसा बिंदु जो विकसित पश्चिम की आय से काफी कम है। आईएमएफ मध्यम-आय जाल के कई कारणों की पहचान करता है - जिनमें से कोई भी आश्चर्यजनक नहीं है - बुनियादी ढांचे से लेकर कमजोर संस्थानों

तक और अनुकूल व्यापक आर्थिक स्थितियों से कम तक। लेकिन आईएमएफ का कहना है कि व्यापक, समग्र कारण उत्पादकता की वृद्धि में गिरावट है।

प्रश्न-13. उपरोक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन सा सबसे तार्किक, तर्कसंगत और आलोचनात्मक निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

(a) एक बार जब कोई देश मध्य-आय चरण में पहुंच जाता है, तो उसकी उत्पादकता गिरने का जोखिम होता है, जिससे आय स्थिर हो जाती है।

(b) मध्यम आय के जाल में फंसना तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं की एक सामान्य विशेषता है।

(c) उभरती एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के लिए विकास की गति को बनाए रखने की कोई उम्मीद नहीं है।

(d) जहां तक उत्पादकता में वृद्धि का संबंध है, एशियाई अर्थव्यवस्थाओं का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है।

उत्तर- (A)

स्पष्टीकरण - विकल्प (A) का अनुमान परिच्छेद से सबसे अच्छा लगाया जा सकता है क्योंकि यह सहायता करता है कि स्थिर आय का समग्र कारण उत्पादकता की वृद्धि में गिरावट है। अतः यह विकल्प सही है। **विकल्प (B), (C),** और **(D)** अपनी प्रकृति में दूरदर्शी और अधिक चरम हैं इसलिए वे गलत हैं।

परिच्छेद: कई विचारकों, दार्शनिकों और बुद्धिजीवियों ने साम्राज्य और साम्राज्यवाद की अवधारणाओं के बीच संबंध का सवाल उठाया। एक ओर साम्राज्य से साम्राज्यवाद उत्पन्न हुआ और दूसरी ओर साम्राज्य से साम्राज्यवाद का विभाजन हुआ। बताए गए अधिकांश तथ्य वर्तमान युग के औपनिवेशिक साम्राज्यों के विरुद्ध हैं। कई बहसों से यह निष्कर्ष निकलता है कि साम्राज्यवाद कोई सार्वभौमिक घटना नहीं है; यह कुछ निश्चित परिणामों का परिणाम है। औपनिवेशिक साम्राज्यों का साम्राज्यवाद मानव युग की प्रारंभिक शताब्दी की शुरुआत से लेकर वर्तमान शताब्दी तक अस्तित्व में रहा। औपनिवेशिक साम्राज्यों के गठन से लेकर उनके "विघटित उद्भव" के पूरा होने का समय। औद्योगिक "उत्तर-आधिपत्य समाज" में। साम्राज्यवादी गठन सही अर्थों में पूंजीवाद का ही एक रूप है। सामान्य तौर पर, साम्राज्यवाद केवल साम्राज्यवादी विस्तार का एक ऐतिहासिक प्रकार नहीं है। सामान्य सामाजिक-सांस्कृतिक घटना का सार पूरे युग की विशेषता है। यह न केवल साम्राज्य हैं जो साम्राज्यवाद के राजनीतिक विषयों के रूप में कार्य कर सकते हैं बल्कि राष्ट्रीय राज्य भी हो सकते हैं। दूसरी ओर, साम्राज्यवाद समाज या सामाजिक संस्थाओं पर नियंत्रण रखने वाली बाहरी ताकत पर निर्भर करता है; इन साम्राज्यवादी शक्तियों द्वारा मीडिया घरानों और उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में हेराफेरी की जा रही है।

प्रश्न- 14. अनुच्छेद को ध्यान से पढ़ें और उपरोक्त अनुच्छेद के आधार पर सबसे उपयुक्त धारणा बनाएं।

(a) साम्राज्यवाद एक प्रकार का पूरी तरह से बाहरी ताकतों द्वारा प्रभुत्व वाला अधिकार है।
(b) साम्राज्यवाद जैसी संस्थाओं को दर्शाता है; रंगभेदी लोगों द्वारा मीडिया घरानों और उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में हेरफेर किया जा रहा है।
(c) साम्राज्यवाद उत्पीड़ित प्रभावकों या अधिकार के अधीन रहने के लिए अभिजात्य वर्ग का शासक क्षेत्र है।
(d) साम्राज्यवाद औपनिवेशिक शक्तियों और सत्ता के माध्यम से शासक वर्ग के उत्पीड़न का एक रूप है

उत्तर- (D)

स्पष्टीकरण- विकल्प (D) सही उत्तर है और यह साम्राज्यवाद के सर्वोत्तम अर्थ को दर्शाता है। **विकल्प (A)** गलत है और बताता है कि साम्राज्यवाद पर स्वयं बाहरी ताकतों का प्रभुत्व है। **विकल्प (B)** इस बात पर जोर देता है कि रंगभेदी लोग साम्राज्यवाद के स्रोत हैं, इसलिए यह एक गलत कथन है। **विकल्प (C)** गलत तरीके से उसी बात को दोहराता है क्योंकि साम्राज्यवाद उत्पीड़ितों द्वारा नियंत्रित एक कुलीन वर्ग की संस्था है।

परिच्छेद: 17वीं सदी की शुरुआत में संयम आंदोलन ने चाय को एक ऐसी खुशी के रूप में पेश किया, जो खुश तो करती थी, लेकिन मदहोश नहीं करती थी, और उद्योगपतियों ने जल्द ही अपने वस्त्रों के लिए अधिक खुले बाजारों के लिए चाय में मुक्त व्यापार के मामले को आगे बढ़ाने के लिए इस नैतिक तर्क को अपनाया। शांत कार्यबल के कारण मजबूर होकर फैक्ट्री मालिक इसमें शामिल हो गए, जबकि ईसाई मिशनरियों ने पाया कि चाय किसी भी औपनिवेशिक मुठभेड़ को शांत कर देगी। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, चाय सेवा को एक सामाजिक और देशभक्तिपूर्ण गतिविधि के रूप में प्रस्तुत किया गया जिसने सैनिकों का उत्थान किया और शरणार्थियों को शांत किया। शुरुआती समय से, चाय विपणन ने हमेशा उपभोक्ता को सीधे स्वास्थ्य, ऊर्जा और मानसिक आराम प्रदान किया है। चाय पीने वालों को यह भी आश्वासन दिया गया कि वे एक बड़ी नेक परियोजना में भाग ले रहे हैं जो परिवार, राष्ट्र और सभ्यता के उद्देश्यों को आगे बढ़ाती है।

प्रश्न-1 5. उस गद्यांश को पढ़ें जिसके बाद चार विकल्प दिए गए हैं और उस गद्यांश को चुनें जो गद्यांश के निष्कर्ष को सबसे अच्छी तरह पकड़ता हो:

(a) भारत में चाय सेवा द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान शुरू की गई थी।
(b) चीन ने औपनिवेशिक साम्राज्यों से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए 17वीं शताब्दी में चाय का व्यवसाय शुरू किया।
(c) प्राचीन काल से ही चाय स्वास्थ्य, ऊर्जा और मानसिक विश्राम में लाभ का प्रत्यक्ष स्रोत रही है।

(d) चाय की लत शुरू से ही देश और सभ्यता की प्रगति को नष्ट कर देती है।

उत्तर- (C)

स्पष्टीकरण- गद्यांश के गहन विश्लेषण के बाद, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि केवल **विकल्प (C)** दिए गए गद्यांश का सही अनुमान पकड़ता है। **विकल्प (A)** कहता है कि भारत में चाय की शुरुआत द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुई थी, जो एक गलत कथन है। **विकल्प (B)** गलत तरीके से मानता है कि चीन ने औपनिवेशिक साम्राज्यों से लाभ प्राप्त करने के लिए चाय का व्यवसाय शुरू किया। **विकल्प (D)** गलत बताता है कि यह प्रमुख स्रोत है जो प्रगति को नष्ट कर सकता है, इसका कभी उल्लेख नहीं किया गया है कि चाय देश को नष्ट करने वाला प्रमुख कारण है।

परिच्छेद: हम डिजिटल समय में रहते हैं। डिजिटल कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसका उपयोग हम रणनीतिक रूप से और विशेष रूप से कुछ कार्यों को करने के लिए करते हैं। हम कौन हैं, हम अपने आस-पास की दुनिया से कैसे जुड़ते हैं, और हम अपने जीवन, श्रम और भाषा के क्षेत्रों को कैसे परिभाषित करते हैं, इसके बारे में हमारी धारणा डिजिटल प्रौद्योगिकियों द्वारा बहुत अधिक संरचित है। डिजिटल हर जगह है और; हवा की तरह, अदृश्य. हम डिजिटल सिस्टम के भीतर रहते हैं, हम अंतरंग गैजेट्स के साथ रहते हैं, हम डिजिटल मीडिया के माध्यम से बातचीत करते हैं, और डिजिटल की उपस्थिति और कल्पना ने नाटकीय रूप से हमारे जीवन को पुनर्गठित किया है। डिजिटल, एक उपकरण होने से बहुत दूर, एक स्थिति और संदर्भ है जो स्वयं, समाज और शासन की संरचना के बारे में हमारी समझ के आकार और सीमाओं को परिभाषित करता है।

प्रश्न- 16. उपरोक्त परिच्छेद द्वारा व्यक्त किया गया सबसे तार्किक और आवश्यक संदेश निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके शासन की सभी समस्याओं को हल किया जा सकता है।

(b) डिजिटल प्रौद्योगिकियों की बात करना हमारे जीवन और रहन-सहन की बात कर रहा है।

(c) हमारी रचनात्मकता और कल्पना डिजिटल मीडिया के बिना व्यक्त नहीं की जा सकती।

(d) भविष्य में मानव जाति के अस्तित्व के लिए डिजिटल सिस्टम का उपयोग अनिवार्य है।

उत्तर- (B)

स्पष्टीकरण - विकल्प (B) सही उत्तर है क्योंकि अनुच्छेद की भाषा और लहजा इसी ओर इशारा करते हैं। वाक्यांश 'डिजिटल हर जगह है' उस स्थिति और संदर्भ को संदर्भित करता है जो स्वयं और समाज की हमारी समझ के आकार और सीमाओं को परिभाषित करता है। इसलिए, यह विकल्प लेखक द्वारा व्यक्त संदेश का सही वर्णन करता है। **विकल्प (A), (C),**

और **(D)** दूरगामी और चरम हैं इसलिए वे अनुच्छेद के सटीक मूड को सही ढंग से नहीं छूते हैं।

गद्यांश: हम पासपोर्ट के बिना अपने पड़ोसी देश से बाहर यात्रा नहीं कर सकते। हम वही सादे कपड़े पहनते हैं और वही स्टाइल अपनाते हैं। हमें हर दस साल में अपनी संस्कृति, भोजन और घरों का आदान-प्रदान करना चाहिए लेकिन हम श्रम कर्तव्यों से बच नहीं सकते। हम सभी एक ही समय पर बिस्तर पर जाते हैं। हम सभी को धार्मिक स्वतंत्रता है, लेकिन हम इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि हमारी आत्मा शरीर के साथ मर जाती है, क्योंकि हम "दंड से डरते हैं" तो उनके पास समाज के कानूनों और रीति-रिवाजों के प्रति अवमानना के अलावा कुछ नहीं होगा। मोरे के समय में, अधिकांश आबादी के लिए, प्रचुरता और सुरक्षा को देखते हुए, इस तरह के प्रतिबंध अत्यधिक अनुचित नहीं लगते। हालाँकि, आधुनिक पाठकों के लिए, "यूटोपिया", निष्पक्ष कानून, सरकारी न्याय और सामाजिक सुरक्षा की काल्पनिक भूमि का एक आदर्श संरक्षक है जो निरंतर पारदर्शिता, विविधता के दमन और गोपनीयता की कटौती पर निर्भर प्रतीत होता है। यूटोपिया सुरक्षा प्रदान करता है: लेकिन किस कीमत पर? अपने बाहरी और आंतरिक दोनों संबंधों में, वास्तव में, यह खतरनाक रूप से डायस्टोपियन लगता है।

प्रश्न-17. सही अर्थों में यूटोपिया के संबंध में निष्कर्ष का सबसे अच्छा वर्णन क्या है?

(a) एक ही घर में रहना, एक जैसे कपड़े पहनना, स्वस्थ भोजन खाना और समान श्रम मजदूरी प्राप्त करना।
(b) धार्मिक स्वतंत्रता, शुद्ध आत्मा और सज़ा का डर होना।
(c) यह निष्पक्ष कानून, सरकार, न्याय और सामाजिक सुरक्षा की एक काल्पनिक भूमि है।
(d) यह सामाजिक प्रतिभूतियों को भ्रष्टाचार, अपराध और प्रतिद्वंद्विता में बदल देता है।

उत्तर – (C)

स्पष्टीकरण- विकल्प (C) सही विकल्प है जो यूटोपियन अवधारणा का सही अनुमान लगाता है। **विकल्प (A)** और **(B)** स्पष्ट रूप से यूटोपियन विचारधारा के सार्वभौमिक दृष्टिकोण पर जोर नहीं देते हैं और **विकल्प (D)** डायस्टोपियन गुणों पर केंद्रित है।

परिच्छेद: दुनिया भर में सरकार में क्षेत्रवाद की ओर एक महत्वपूर्ण रुझान रहा है, जिसके परिणामस्वरूप 1990 के दशक के बाद से क्षेत्रों और समुदायों की ओर शक्तियों का व्यापक हस्तांतरण हुआ है। यह प्रक्रिया, जिसमें उप-राष्ट्रीय स्तर पर नई राजनीतिक संस्थाओं और निकायों का निर्माण और उनकी सामग्री और शक्तियों में वृद्धि शामिल है, हस्तांतरण के रूप में जानी जाती है। हस्तांतरण को तीन कारकों से बना माना गया है - राजनीतिक वैधता, प्राधिकरण का विकेंद्रीकरण, और संसाधनों का विकेंद्रीकरण। यहां राजनीतिक वैधता का मतलब विकेंद्रीकरण प्रक्रिया के लिए नीचे से एक व्यापक मांग है, जो इसे लागू करने के लिए

एक राजनीतिक ताकत पैदा कर सकती है। कई मामलों में, विकेंद्रीकरण की शुरुआत जमीनी स्तर पर पर्याप्त राजनीतिक लामबंदी के बिना सरकार के ऊपरी स्तर द्वारा की जाती है, और ऐसे मामलों में, विकेंद्रीकरण प्रक्रिया अक्सर अपने उद्देश्यों को पूरा नहीं करती है।

प्रश्न-18. उपरोक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन सा सबसे तार्किक, तर्कसंगत और आलोचनात्मक निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

(a) उप-राष्ट्रीय राजनीतिक संस्थाओं को बनाने और इस प्रकार सफल हस्तांतरण और विकेंद्रीकरण सुनिश्चित करने के लिए शक्तिशाली जन नेताओं का उद्भव आवश्यक है।

(b) सरकार के ऊपरी स्तर को क्षेत्रीय समुदायों पर कानून या अन्यथा हस्तांतरण और विकेंद्रीकरण लागू करना चाहिए।

(c) हस्तांतरण को सफल होने के लिए एक ऐसे लोकतंत्र की आवश्यकता होती है जिसमें निचले स्तर पर लोगों की इच्छा की स्वतंत्र अभिव्यक्ति हो और जमीनी स्तर पर उनकी सक्रिय भागीदारी हो।

(d) हस्तांतरण के लिए जनता में क्षेत्रीयता की प्रबल भावना आवश्यक है।

उत्तर- (C)

स्पष्टीकरण- विकल्प (C) का अनुमान गद्यांश की अंतिम दो पंक्तियों से संतोषजनक ढंग से लगाया जा सकता है। अतः यह विकल्प सही है। **विकल्प (A)** गलत है क्योंकि शक्तिशाली जन नेताओं द्वारा उप-राष्ट्रीय राजनीतिक इकाइयां बनाने के विचार पर परिच्छेद में चर्चा नहीं की गई है। **विकल्प (B)** गलत है क्योंकि परिच्छेद विपरीत संस्थाओं को कहता है। **विकल्प (D)** फिर से सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद से 'मजबूत क्षेत्रवाद' का अनुमान आत्मविश्वास से नहीं लगाया जा सकता है।

अनुच्छेद : प्रत्येक प्रजाति आत्म-नियंत्रण, आत्मनिर्भरता और आत्म-भोग का उपयोग कर सकती है लेकिन अधिकांश जानवर अपने सामान्य, लंबे, सामाजिक जीवन में एक और विशेषता साझा कर सकते हैं। दूसरी ओर, कटलफिश एकान्त प्राणी हैं जो साथियों या बच्चों के साथ भी कोई सामाजिक या शारीरिक संबंध नहीं बनाते हैं, हम नहीं जानते कि वे एक सामाजिक समूह में रह रहे हैं या नहीं, लेकिन यह उनकी जटिल क्षमताओं के लिए महत्वपूर्ण है जब तक कि हम यह भी दर्शाता है कि कम सामाजिक प्रजातियों में उन क्षमताओं की कमी है।

प्रश्न-19. दिए गए गद्यांश के आधार पर सबसे अच्छी धारणा क्या होगी?

(a) लेखक कटलफिश की विकलांगताओं पर निर्णय देना चाहता है क्योंकि वे शारीरिक संपर्क के लिए उपयुक्त नहीं हो सकते हैं।

(b) अन्य प्रजातियों की तरह कटलफिश में भी वही गुण होते हैं जो अन्य प्रजातियों में होते हैं।

(c) कटलफिश टालने वाले प्राणी हैं जो सामाजिक भावनाओं को अस्वीकार करते हैं।
(d) उनमें कुछ मानसिक विकलांगताएँ हैं इसलिए वे सामाजिक जीवन जीने के लिए उपयुक्त नहीं हैं।

उत्तर- (C)

स्पष्टीकरण- विकल्प (C) सही विकल्प है क्योंकि गद्यांश में उल्लेख किया गया है कि कटलफिश एकान्त प्राणी हैं जो सामाजिक जीवन से बचते हैं। **विकल्प (A)** गलत है क्योंकि यह इसकी विकलांगताओं के बारे में बात करता है । **विकल्प (B)** गलत तरीके से इंगित करता है कि वे एकान्त प्राणी नहीं हैं; वे सामान्य प्राणी हैं. **विकल्प (D)** गलत है क्योंकि इसका उल्लेख परिच्छेद में कहीं भी नहीं है।

परिच्छेद: पारंपरिक संस्थाओं, पहचानों और निष्ठाओं के विघटन से दुविधापूर्ण स्थितियाँ पैदा होने की संभावना है। कुछ लोग पारंपरिक समूहों के साथ अपनी पहचान को नवीनीकृत कर सकते हैं जबकि अन्य राजनीतिक विकास की प्रक्रियाओं से उभरे नए समूहों और प्रतीकों के साथ खुद को जोड़ते हैं। इसके अलावा, राजनीतिक विकास विभिन्न वर्गों, जनजातियों, क्षेत्रों, कुलों, भाषाओं, धर्मों, व्यवसायों और अन्य के बारे में समूह जागरूकता को बढ़ावा देता है।

प्रश्न- 20. उपरोक्त परिच्छेद की सबसे अच्छी व्याख्या निम्नलिखित में से कौन सी है?

(A) राजनीतिक विकास एक एकरेखीय प्रक्रिया नहीं है क्योंकि इसमें विकास और क्षय दोनों शामिल हैं।
(B) पारंपरिक समाज राजनीतिक विकास के सकारात्मक पहलुओं का विरोध करने में सफल होते हैं।
(C) पारंपरिक समाज लंबे समय से चली आ रही वफादारियों से अलग नहीं हो सकते।
(D) पारंपरिक वफादारी का निर्वाह राजनीतिक विकास के लिए अनुकूल है।

उत्तर- (A)

स्पष्टीकरण- विकल्प (A) सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि यह विकास और नई पहचानों के उभरने और खत्म होने की बात करता है। इसलिए, विकल्प (A) सही है। **विकल्प (B)** गलत है क्योंकि परिच्छेद में यह स्पष्ट नहीं है कि वे ऐसा करने में सफल हुए। **विकल्प (C)** गलत है क्योंकि परिच्छेद कहता है कि राजनीतिक विकास की प्रक्रियाओं से नए समूह और प्रतीक उभर रहे हैं। **विकल्प (D)** अनिवार्य रूप से गलत है क्योंकि पारंपरिक वफादारी का निर्वाह राजनीतिक विकास के साथ-साथ होता है।

परिच्छेद: भारत में, स्रोत पर नगरपालिका कचरे का पृथक्करण दुर्लभ है। पुनर्चक्रण अधिकतर अनौपचारिक क्षेत्र में होता है। नगरपालिका बजट का तीन-चौथाई से अधिक हिस्सा संग्रह और परिवहन में चला जाता है, जिससे प्रसंस्करण/संसाधन पुनर्प्राप्ति और निपटान के

लिए बहुत कम बचता है। इस सब में अपशिष्ट-से-ऊर्जा कहां फिट बैठती है? आदर्श रूप से, यह पृथक्करण (गीले कचरे और बाकी के बीच), संग्रह, पुनर्चक्रण और लैंडफिल तक पहुंचने से पहले की श्रृंखला में फिट बैठता है। कचरे को ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए कौन सी तकनीक सबसे उपयुक्त है यह इस बात पर निर्भर करता है कि कचरे में क्या है (जो कि बायोडिग्रेडेबल बनाम गैर-बायोडिग्रेडेबल घटक है) और उसका कैलोरी मान क्या है। भारत के नगरपालिका ठोस कचरे का बायोडिग्रेडेबल घटक 50 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है, और बायो मिथेनेशन इसके प्रसंस्करण के लिए एक प्रमुख समाधान प्रदान करता है।

प्रश्न-21. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. नगर निगम के कचरे का संग्रहण, प्रसंस्करण और पृथक्करण सरकारी एजेंसियों के पास होना चाहिए।

2. संसाधन पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण के लिए तकनीकी इनपुट की आवश्यकता होती है जिसे निजी क्षेत्र के उद्यमों द्वारा सबसे अच्छी तरह से नियंत्रित किया जा सकता है।

ऊपर दी गई धारणाओं में से कौन सी सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (D)

स्पष्टीकरण-कथन 1 इंगित करता है कि नगरपालिका कचरे का संग्रह, प्रसंस्करण और पृथक्करण सरकारी एजेंसियों के पास होना चाहिए और नगरपालिका बजट का तीन-चौथाई से अधिक हिस्सा संग्रह और परिवहन में चला जाता है। **कथन 2** इंगित करता है कि संसाधन पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण के लिए तकनीकी इनपुट की आवश्यकता होती है जिसे निजी क्षेत्र के उद्यमों द्वारा सर्वोत्तम रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। भारत के नगरपालिका ठोस कचरे का बायोडिग्रेडेबल घटक 50 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है, और बायो मिथेनेशन इसके प्रसंस्करण के लिए एक प्रमुख समाधान प्रदान करता है।

प्रश्न-22. निम्नलिखित में से कौन सा कथन परिच्छेद के सार को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?

(a) नगरपालिका ठोस कचरे से ऊर्जा उत्पादन सस्ता है।

(b) बायो मिथेनेशन नगरपालिका के ठोस कचरे से ऊर्जा उत्पन्न करने का सबसे आदर्श तरीका है।
(c) अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्रों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए नगरपालिका ठोस कचरे का पृथक्करण पहला कदम है।
(d) भारत के नगरपालिका ठोस कचरे का बायोडिग्रेडेबल घटक कचरे से कुशलतापूर्वक/प्रभावी ढंग से ऊर्जा प्रदान करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

उत्तर-(C)

स्पष्टीकरण- विकल्प (C) सही विकल्प है क्योंकि अनुच्छेद केंद्रीय विषय 'भारत में, स्रोत पर नगरपालिका कचरे का पृथक्करण दुर्लभ है' के साथ शुरू होता है। इसके अलावा, यह कहा जाता है कि अपशिष्ट से ऊर्जा इस सब में कहां फिट बैठती है? **विकल्प (A)** गलत है क्योंकि परिच्छेद में नगरपालिका के ठोस कचरे से ऊर्जा उत्पादन की लागत पर भी चर्चा की गई है **। विकल्प (B)** भी गलत है, परिच्छेद स्पष्ट रूप से बताता है कि 'भारत के नगरपालिका ठोस कचरे का बायोडिग्रेडेबल घटक 50 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है, और बायो मिथेनेशन इसके प्रसंस्करण के लिए एक प्रमुख समाधान प्रदान करता है। परिच्छेद का सार यह है कि जैव मिथेनेशन एक प्रमुख समाधान प्रदान करता है जो स्रोत पर नगर निगम के कचरे को अलग करने की दुर्लभता का समाधान है और ऐसे चुनौतीपूर्ण परिदृश्य के बीच कचरे से ऊर्जा प्राप्त करना है। **विकल्प (D)** गलत है, परिच्छेद इस बात का खंडन करता है कि भारत के नगरपालिका ठोस कचरे का बायोडिग्रेडेबल घटक 50 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है, और बायो मिथेनेशन इसके प्रसंस्करण के लिए एक प्रमुख समाधान प्रदान करता है।

परिच्छेद: आज भारत के सामने दो रास्ते खुले हैं, या तो "शक्ति ही सही है" के पश्चिमी सिद्धांत को लागू किया जाए या पूर्वी सिद्धांत को कायम रखा जाए कि सत्य ही जीतता है, सत्य कोई दुर्घटना नहीं जानता है, और यह कि मजबूत और कमजोर को समान रूप से अधिकार है न्याय सुरक्षित करने के लिए. विकल्प यह है कि शुरुआत श्रमिक वर्ग से की जाए। क्या मजदूरों को हिंसा के द्वारा अपनी मजदूरी में वृद्धि प्राप्त करनी चाहिए, भले ही यह संभव हो? चाहे उनके दावे कितने भी वैध क्यों न हों, वे हिंसा जैसी किसी भी चीज़ का सहारा नहीं ले सकते। अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए हिंसा का उपयोग करना एक आसान रास्ता लग सकता है, लेकिन लंबे समय में यह कांटेदार साबित होता है। जो लोग तलवार से जीते हैं वे तलवार से ही मरते हैं।

प्रश्न-23. लेखक हिंसा द्वारा वेतन वृद्धि चाहने वाले मजदूरों पर विश्वास क्यों नहीं करता?
(A) उनका मानना है कि मजदूर इतने मजबूत नहीं हैं कि हिंसा के इस्तेमाल से सफल हो सकें।

(B) उनका मानना है कि हिंसा से हिंसा पैदा होगी न कि उनके अधिकार।
(C) दोनों (ए) और (बी)।
(D) न तो (ए) और न ही (बी)।

उत्तर (B)

स्पष्टीकरण : परिच्छेद की अंतिम पंक्ति में, लेखक कहता है कि वैध लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हिंसा सही साधन नहीं है। इसलिए, **विकल्प (B)** सही है।

परिच्छेद: मैं उस ईश्वर के अलावा किसी ईश्वर को नहीं पहचानता जो लाखों मूक लोगों के दिलों में पाया जाता है। वे उसकी उपस्थिति को नहीं पहचानते; मैं करता हूं। और मैं उस ईश्वर की पूजा करता हूं जो सत्य है या सत्य जो ईश्वर है, इन लाखों लोगों की सेवा के माध्यम से हम उस ईश्वरीय कानून से या तो अनभिज्ञ हैं या लापरवाह हैं जिसके द्वारा मनुष्य को केवल उसकी दैनिक रोटी दी गई है और कुछ नहीं, जिसके परिणामस्वरूप असमानताएं उत्पन्न होती हैं उन पर सभी दुख परिचारक के साथ।

प्रश्न-24. सबसे महत्वपूर्ण संदेश क्या है जो लेखक इस परिच्छेद में व्यक्त करना चाहता है?

(a) मनुष्य की अपनी दैनिक आवश्यकताओं से अधिक संचय करने की इच्छा दुख की ओर ले जाती है।
(b) ईश्वर सत्य है।
(c) दोनों (A) और (B)।
(d) न तो (A) और न ही (B)।

उत्तर (A)

व्याख्या: परिच्छेद का जोर इस बात पर है कि मानवता की सेवा ईश्वर की ओर ले जाती है और दुख का कारण मनुष्यों में विवेक की कमी है जिसके कारण ध्यान केवल स्वयं की जरूरतों पर केंद्रित हो गया है, जो असमानता या दुख का कारण है।

परिच्छेद : ऐसा दावा है कि जैविक खेती स्वाभाविक रूप से अधिक सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक है। वास्तविकता यह है कि चूँकि जैविक खेती उद्योग अभी भी युवा है और भारत में अच्छी तरह से विनियमित नहीं है, किसान और उपभोक्ता, समान रूप से, न केवल इस बात को लेकर भ्रमित हैं कि कौन से उत्पाद उनके लिए सबसे अच्छे हैं, बल्कि कभी-कभी उत्पादों का उपयोग ऐसे तरीकों से भी करते हैं जो उन्हें नुकसान भी पहुँचा सकते हैं। उदाहरण के लिए, चूंकि भारत में बड़े पैमाने पर जैविक उर्वरक प्राप्त करना मुश्किल है, इसलिए किसान अक्सर गोबर की खाद का उपयोग करते हैं, जिसमें जहरीले रसायन और भारी धातुएं हो सकती हैं। कुछ पौधों

के स्प्रे, जैसे धतूरा के फूल और पत्ती के स्प्रे में एट्रोपिन नामक तत्व होता है। अगर इसे सही मात्रा में न लगाया जाए तो यह उपभोक्ता के तंत्रिका तंत्र पर असर कर सकता है। दुर्भाग्य से, इसका कितना और कब उपयोग करना है, इस पर अच्छी तरह से शोध या विनियमित मुद्दे नहीं हैं।

प्रश्न-25. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. जैविक खेती स्वाभाविक रूप से किसानों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए असुरक्षित है।

2. किसानों और उपभोक्ताओं को पर्यावरण-अनुकूल भोजन के बारे में शिक्षित करने की आवश्यकता है।

ऊपर दी गई धारणाओं में से कौन सी सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर- (B)

स्पष्टीकरण- कथन 1 'स्वाभाविक रूप से' शब्द के प्रयोग के कारण गलत है। परिच्छेद बताता है कि वास्तविकता यह है कि जैविक खेती उद्योग अभी भी युवा है और भारत में अच्छी तरह से विनियमित नहीं है। **कथन 2** इस धारणा से सही है जो परिच्छेद की सामग्री के साथ निकटता से मेल खाता है और जैविक खेती उद्योग में विनियमन और अनुसंधान की कमी के कारण किसानों और उपभोक्ताओं के बीच भ्रम की चर्चा करता है।

परिच्छेद: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार किसी भी राष्ट्र के दीर्घकालिक विकास और गतिशीलता के लिए अभिन्न अंग हैं। विज्ञान की खोज जांच और विचार-विमर्श की भावना भी पैदा करती है जो आधुनिक, खुले, लोकतांत्रिक समाजों के लिए महत्वपूर्ण है। ऐतिहासिक रूप से, भारत वैश्विक वैज्ञानिक ज्ञान और तकनीकी उपलब्धि में कई योगदानों की ओर इशारा कर सकता है। हालाँकि, भारत अपने विकास के स्तर की तुलना में भी अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) पर कम खर्च करता है। अनुसंधान एवं विकास व्यय को दोगुना करना आवश्यक है और अधिकांश वृद्धि निजी क्षेत्र और विश्वविद्यालयों से होनी चाहिए। नवप्रवर्तन की भावना को पुनः प्राप्त करने के लिए जो इसे एक वैश्विक विज्ञान और प्रौद्योगिकी नेता के रूप में शुद्ध उपभोक्ता से ज्ञान के शुद्ध उत्पादक के रूप में आगे बढ़ा सकती है, भारत को अपने युवाओं

को विज्ञान और गणित में शिक्षित करने, अनुसंधान एवं विकास के तरीके में सुधार करने, निजी क्षेत्र को शामिल करने में निवेश करना चाहिए। और भारतीय प्रवासी, और डार्क मैटर, जीनोमिक्स, ऊर्जा भंडारण, कृषि, और गणित और साइबर-भौतिक प्रणालियों जैसे क्षेत्रों में अधिक मिशन-संचालित दृष्टिकोण अपनाते हैं। "व्यवसाय करने में आसानी" को बेहतर बनाने के लिए जोरदार प्रयासों के साथ "विज्ञान करने में आसानी" को बढ़ावा देने के लिए समान प्रयासों की आवश्यकता है।

प्रश्न-26. अनुच्छेदों में जो कहा गया है उसके संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

1. भारत साइबर-भौतिक भंडारण, जीनोमिक्स, ऊर्जा भंडारण आदि क्षेत्रों में बहुत कम शोध करता है।
2. अनुसंधान एवं विकास पर भारत के कम खर्च को आंशिक रूप से अनुसंधान बुनियादी ढांचे के विकास में निजी क्षेत्र के कम योगदान के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।
3. भारत में ज्ञान का शुद्ध उत्पादक बनने की क्षमता है।

(a) 1, 2, 3
(b) केवल 3
(c) 2, 3
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर (C)

स्पष्टीकरण: यह परिच्छेद भारत में अनुसंधान एवं विकास पर कम खर्च के मुद्दे को सामने लाता है। हालाँकि, विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान किया जा रहा है, लेकिन निजी संस्थाओं और विश्वविद्यालयों का खर्च बहुत कम है। इसलिए, दूसरा और तीसरा निष्कर्ष अधिक उपयुक्त है।

परिच्छेद: पिछले कुछ दशकों में भारत में खाद्य उपभोग के पैटर्न में काफी बदलाव आया है। इसके परिणामस्वरूप बाजरा जैसे कई पौष्टिक खाद्य पदार्थ लुप्त हो गए हैं। हालाँकि आज़ादी के बाद से खाद्यान्न उत्पादन पाँच गुना से अधिक बढ़ गया है, लेकिन इससे कुपोषण की समस्या का पर्याप्त समाधान नहीं हुआ है। लंबे समय तक, कृषि क्षेत्र ने खाद्य उत्पादन, विशेष रूप से मुख्य खाद्य पदार्थों के उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसके कारण स्वदेशी पारंपरिक अनाज, फल और अन्य सब्जियों का उत्पादन और खपत कम हो गई, जिससे इस प्रक्रिया में खाद्य और पोषण सुरक्षा प्रभावित हुई। इसके अलावा, गहन, मोनोकल्चर कृषि प्रथाएं भूमि, पानी और उनसे प्राप्त भोजन की गुणवत्ता को खराब करके खाद्य और पोषण सुरक्षा समस्या को कायम रख सकती हैं।

प्रश्न-27. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. सतत विकास लक्ष्यों को लागू करने और शून्य-भूख लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, मोनोकल्चर कृषि प्रथाएं अपरिहार्य हैं, भले ही वे कुपोषण को संबोधित न करें।

2. कुछ फसलों पर निर्भरता का मानव स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

3. खाद्य नियोजन के संबंध में सरकारी नीतियों में पोषण सुरक्षा को शामिल करने की आवश्यकता है।

4. वर्तमान मोनोकल्चर कृषि पद्धतियों के लिए, किसानों को विभिन्न तरीकों से सब्सिडी मिलती है और सरकार अनाज के लिए लाभकारी मूल्य प्रदान करती है इसलिए वे फसल विविधता पर विचार नहीं करते हैं।

उपरोक्त में से कौन सी धारणाएँ मान्य हैं?

(a) केवल 1, 2, और 4
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर- (B)

स्पष्टीकरण - कथन 1 गलत है क्योंकि परिच्छेद न तो मोनोकल्चर को बढ़ावा देता है और न ही इसे अपरिहार्य के रूप में संदर्भित करता है। **कथन 2 सही है,** क्योंकि परिच्छेद कई संकेत देता है कि कुछ फसलों पर निर्भरता के मानव स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी तंत्र पर नकारात्मक परिणाम होते हैं। इसका प्रमाण बाजरा जैसे अनेक पौष्टिक खाद्य पदार्थों के लुप्त होने की पंक्तियाँ हैं। **कथन 3** सही है, अनुच्छेद में उल्लेख किया गया है कि आजादी के बाद से खाद्यान्न उत्पादन पांच गुना से अधिक बढ़ गया है, लेकिन इसने कुपोषण के मुद्दे को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं किया है। **कथन 4** ग़लत है, परिच्छेद में मोनोकल्चर के पीछे किसी विशेष कारण का उल्लेख नहीं है।

गद्यांश: शहरों में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए, नीति निर्माताओं का मानना है कि वाहनों के लिए सम-विषम संख्या योजनाओं का अस्थायी उपयोग, स्कूलों, कारखानों, निर्माण गतिविधियों को बंद करना और कुछ प्रकार के वाहनों के उपयोग पर प्रतिबंध जैसी कठोर कार्रवाई ही आगे बढ़ने का रास्ता है। फिर भी हवा साफ़ नहीं है. 15 साल से अधिक पुराने वाहन कुल का एक प्रतिशत हैं, और उन्हें सड़क से हटाने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। कुछ ईंधनों और कार प्रकारों पर मनमाने ढंग से प्रतिबंध लगाना उचित नहीं है। डीजल इंजन पेट्रोल

या सीएनजी इंजन की तुलना में अधिक पीएम 2.5 और कम CO_2 उत्पन्न करते हैं। दूसरी ओर, डीजल और सीएनजी दोनों इंजन पेट्रोल इंजन की तुलना में अधिक NO_x उत्पन्न करते हैं। सीएनजी इंजन उत्सर्जित होने वाले एनओएक्स की मात्रा को किसी ने नहीं मापा है। अनिवार्य फिटनेस परीक्षण और समय-समय पर प्रदूषण परीक्षण पास करने वाले वाहनों पर मनमाने प्रतिबंध अनुचित हैं। निरंतर प्रदूषकों के स्रोत और उनसे होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए काम करने वाली तकनीकों के बारे में वैज्ञानिक और विश्वसनीय जानकारी की आवश्यकता है।

प्रश्न- 28. निम्नलिखित में से कौन सा कथन परिच्छेद द्वारा बताए गए सबसे तार्किक और तर्कसंगत निहितार्थ को सबसे अच्छी तरह से दर्शाता है?

(a) प्रदूषण कम करने के लिए वाहनों पर मनमाने प्रतिबंध लागू करना मुश्किल है।
(b) बिना सोचे-समझे प्रतिक्रियाएं नहीं हो सकतीं लेकिन साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण अधिक प्रभावी होगा।
(c) समय-समय पर प्रदूषण परीक्षण के बिना गाड़ी चलाने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए।
(d) प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए कानूनों के अभाव में प्रशासन मनमाने निर्णय लेता है।

उत्तर: (B)

स्पष्टीकरण विकल्प (A) गलत है क्योंकि परिच्छेद से पता चलता है कि प्रदूषण को कम करने के लिए वाहनों पर मनमाने ढंग से प्रतिबंध लागू करना कठिन होने के बजाय निरर्थक/अप्रभावी उपाय हैं। **विकल्प (B)** परिच्छेद का सही उत्तर है और सुझाव देता है कि वाहनों के लिए सम-विषम संख्या योजनाओं का अस्थायी उपयोग, स्कूलों, कारखानों, निर्माण गतिविधियों को बंद करना और कुछ प्रकार के वाहनों के उपयोग पर प्रतिबंध जैसी त्वरित प्रतिक्रियाएँ कैसे नहीं होती हैं प्रभावी समाधान. जबकि **विकल्प (C)** गलत है और वैज्ञानिक और विश्वसनीय जानकारी के आधार पर अच्छी तरह से शोध की गई नीतियों की वकालत करता है, और **विकल्प (D)** भी गलत है जो यह नहीं बताता कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए कानूनों की कमी है, लेकिन वे सभी अप्रभावी हैं।

परिच्छेद: अच्छी कॉर्पोरेट प्रशासन संरचनाएँ कंपनियों को जवाबदेही और नियंत्रण प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। दुनिया भर में कॉर्पोरेट प्रशासन के आर्थिक और राजनीतिक एजेंडे पर आने का एक बुनियादी कारण अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजारों में तेजी से वृद्धि है। प्रभावी कॉर्पोरेट प्रशासन फर्मों द्वारा बाहरी वित्तपोषण तक पहुंच को बढ़ाता है, जिससे

अधिक निवेश, उच्च विकास और रोजगार मिलता है। निवेशक अपना धन वहां लगाना चाहते हैं जहां प्रकटीकरण, समय पर और सटीक वित्तीय रिपोर्टिंग और सभी हितधारकों के साथ समान व्यवहार के मानक पूरे हों।

प्रश्न-29. निम्नलिखित में से कौन सा कथन ऊपर दिए गए परिच्छेद से तार्किक निष्कर्ष को सर्वोत्तम रूप से दर्शाता है?

(a) अच्छे बाहरी वित्तपोषण तक पहुंच सुनिश्चित करना दुनिया भर के देशों का एक महत्वपूर्ण एजेंडा है।
(b) अच्छे कॉर्पोरेट प्रशासन से फर्मों की विश्वसनीयता में सुधार होता है।
(c) अंतर्राष्ट्रीय पूंजी बाजार यह सुनिश्चित करते हैं कि कंपनियां अच्छा कॉर्पोरेट प्रशासन बनाए रखें।
(d) अच्छा कॉर्पोरेट प्रशासन मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं का मार्ग प्रशस्त करता है।

उत्तर- (B)

स्पष्टीकरण-विकल्प (B) सही उत्तर है, यह दर्शाता है कि कैसे अच्छी कॉर्पोरेट प्रशासन संरचनाएँ कंपनियों को जवाबदेही और नियंत्रण प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। **विकल्प (A)** सही नहीं है क्योंकि यह द्वितीयक और अप्रत्यक्ष तर्क का समर्थन करता है। परिच्छेद में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजारों में तेजी से वृद्धि के कारण कॉर्पोरेट प्रशासन दुनिया भर में आर्थिक और राजनीतिक एजेंडे पर आ गया है। **विकल्प (C)** गलत उत्तर है, यह परिच्छेद अच्छे कॉर्पोरेट प्रशासन पर केंद्रित है जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में फर्मों की विश्वसनीयता में सुधार होता है । **विकल्प (D)** सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद में आपूर्ति श्रृंखलाओं का कोई संदर्भ नहीं है।

परिच्छेद: हाथी परिदृश्य वास्तुकार होते हैं, वे जंगल में साफ़-सफ़ाई बनाते हैं, कुछ पौधों की प्रजातियों की अतिवृद्धि को रोकते हैं, और दूसरों के पुनर्जनन के लिए जगह देते हैं, जो बदले में अन्य शाकाहारी जानवरों को भोजन प्रदान करते हैं। हाथी पौधे, फल और बीज खाते हैं, जब वे यात्रा करते समय अन्य स्थानों पर शौच करते हैं तो बीज फैल जाते हैं। हाथी का गोबर पौधों और जानवरों को पोषण प्रदान करता है और कीड़ों के लिए प्रजनन भूमि के रूप में कार्य करता है। सूखे के समय में, वे छेद खोदकर पानी प्राप्त करते हैं जिससे अन्य वन्यजीवों को लाभ होता है।

प्रश्न-30. निम्नलिखित में से कौन सा कथन परिच्छेद से निकाले जा सकने वाले सबसे तार्किक और तर्कसंगत निष्कर्ष को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?

(a) हाथियों का घरेलू क्षेत्र समृद्ध जैव विविधता वाला एक विशाल क्षेत्र होना चाहिए।
(b) हाथी प्रमुख प्रजाति हैं और वे जैव विविधता को लाभ पहुंचाते हैं।
(c) हाथियों की उपस्थिति के बिना जंगलों में समृद्ध जैव विविधता को बनाए नहीं रखा जा सकता है।
(d) हाथी अपनी आवश्यकता के अनुसार प्रजातियों के साथ जंगलों को पुनर्जीवित करने में सक्षम हैं।

उत्तर- (B)

विकल्प (A) एक गलत धारणा है क्योंकि इसमें इस बात पर चर्चा नहीं की गई है कि हाथियों की घरेलू सीमा क्या है। **विकल्प (B)** सही उत्तर है और परिच्छेद के संपूर्ण सार पर चर्चा करता है। **विकल्प (C)** गलत है क्योंकि यह हाथियों के महत्व पर उस बिंदु तक चर्चा करता है जहां पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी उपस्थिति महत्वपूर्ण लग सकती है। **विकल्प (D)** को गलत तरीके से मान लिया गया है क्योंकि परिच्छेद से पता चलता है कि हाथी अनैच्छिक रूप से जंगलों को पुनर्जीवित करते हैं।

परिच्छेद: मनुष्य द्वारा अब वायुमंडल में डाला गया उत्सर्जन सदी के मध्य और उसके बाद की जलवायु को प्रभावित करेगा। इस बीच, तकनीकी परिवर्तन, भविष्य में जीवाश्म ईंधन से दूर जाने वाले संक्रमण को सस्ता बना सकता है या नहीं भी कर सकता है, जिससे दुनिया के सामने भारी लागत पर उत्सर्जन को तेजी से कम करने या बेरोकटोक वार्मिंग के प्रभावों से पीड़ित होने के बीच एक भयानक विकल्प रह जाएगा। जो व्यवसाय अनिश्चित परिणामों के खतरे से बचाव नहीं करते वे विफल हो जाते हैं। दुनिया जलवायु परिवर्तन पर इतनी लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकती।

प्रश्न-31. निम्नलिखित में से कौन सा कथन गद्यांश के लेखक द्वारा व्यक्त किए गए महत्वपूर्ण संदेश को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?

(a) उत्सर्जन का कारण बनने वाले व्यवसायों को भविष्य में बंद करना पड़ सकता है या प्रदूषण के लिए भुगतान करना पड़ सकता है।
(b) जलवायु परिवर्तन के मुद्दों से संबंधित एकमात्र समाधान तकनीकी विकास है।
(c) कार्बन उत्सर्जन से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी में सुधार होने तक इंतजार करना कोई बुद्धिमानी भरी रणनीति नहीं है।
(d) चूंकि भविष्य में तकनीकी परिवर्तन अनिश्चित है, नए उद्योग नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर आधारित होने चाहिए।

उत्तर: (C)

स्पष्टीकरण - गद्यांश के अनुसार **विकल्प (C)** सही उत्तर है, इसमें स्पष्ट रूप से तकनीकी परिवर्तन का उल्लेख है जो भविष्य में जीवाश्म ईंधन से दूर संक्रमण को सस्ता बना सकता है। **विकल्प (A)** सही उत्तर नहीं है क्योंकि पंक्ति में 'जो व्यवसाय अनिश्चित परिणामों के खतरे से बचाव नहीं करते हैं वे प्रदूषण के लिए जिम्मेदार हैं। **विकल्प (B)** भी सही विकल्प नहीं है क्योंकि पूरे परिच्छेद में यह जलवायु परिवर्तन के मुद्दों का कोई समाधान नहीं बताता है। **विकल्प (D)** एक गलत धारणा है जो जलवायु परिवर्तन के मुद्दे का कोई समाधान नहीं बताता है।

परिच्छेद: पर्यावरणीय समस्याएँ स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनती हैं। जीवनशैली में पर्याप्त बदलाव से पर्यावरण या स्वास्थ्य समस्याओं को कम किया जा सकता है, लेकिन इस विचार को अपनाना लगभग असंभव प्रतीत होता है। पर्यावरणीय समस्याओं के साथ, व्यक्तिगत प्रयासों को नगण्य प्रभाव वाला माना जा सकता है और इसलिए जड़ता पैदा होती है। दूसरी ओर, स्वास्थ्य के मामले में, व्यक्तिगत विकल्प वस्तुतः जीवन और मृत्यु के बीच अंतर पैदा कर सकते हैं। और फिर भी, कुछ को छोड़कर, अपनी पसंद बनाने के प्रति वही सामूहिक सुस्ती दिखती है।

प्रश्न-32. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सबसे तर्कसंगत धारणा को दर्शाता है जो परिच्छेद से बनाई जा सकती है?

(a) हम रोकथाम की तुलना में इलाज पर अधिक पैसा खर्च करने की संभावना रखते हैं।
(b) हमारी पर्यावरणीय और सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं को हल करना सरकार का काम है।
(c) पर्यावरणीय समस्याओं पर ध्यान न दिए जाने पर भी स्वास्थ्य की रक्षा की जा सकती है।
(d) पारंपरिक जीवनशैली की हानि और पश्चिमी मूल्यों के प्रभाव के कारण जीवन जीने के कुछ अस्वास्थ्यकर तरीके सामने आए।

उत्तर: (A)

स्पष्टीकरण-विकल्प (A) गलत है क्योंकि इसे अनुच्छेद में सीधे संबोधित नहीं किया गया है। परिच्छेद में, पर्यावरण या स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने के लिए जीवनशैली में पर्याप्त परिवर्तन अपनाने में कठिनाई का उल्लेख किया गया है, लेकिन यह कथन के बारे में जानकारी प्रदान नहीं करता है। **विकल्प (B)** एक गलत दावे को इंगित करता है जो परिच्छेद द्वारा सुझाया

नहीं गया है। **विकल्प (C)** एक सही उत्तर है क्योंकि यह दर्शाता है कि पर्यावरणीय समस्याओं पर ध्यान न दिए जाने पर भी स्वास्थ्य की रक्षा की जा सकती है **। विकल्प (D)** सही विकल्प नहीं है, यह केवल यह बताता है कि जीवनशैली में पर्याप्त परिवर्तन पर्यावरण या स्वास्थ्य समस्याओं को कम कर सकते हैं।

परिच्छेद: मैं यह कहकर शुरुआत करना चाहता हूं कि हम अक्सर संघवाद और विकेंद्रीकरण के बीच भ्रम पैदा करते हैं या पैदा करते हैं और मैंने कई अध्ययन देखे हैं जहां दोनों शब्दों का परस्पर उपयोग किया गया है। मेरे लिए, ऐसा प्रतीत होता है कि संघवाद को विकेंद्रीकरण से अलग परिभाषित किया जाना चाहिए। संघवाद समान साझेदारों का एक साथ आना है जो एक समान लक्ष्य के साथ आते हैं और शक्ति और अधिकार क्षेत्र साझा करते हैं। विकेंद्रीकरण के मामले में, यह एक श्रेष्ठ इकाई है जो आंशिक रूप से अपनी शक्तियों को नीचे की इकाइयों में विकेंद्रीकृत कर रही है और इसमें कृपालुता की भावना है।

प्रश्न-33. वक्ता कौन सा सबसे महत्वपूर्ण संदेश देना चाहता है?

(a) संघवाद क्या है, इसे लेकर बहुत भ्रम है।
(b) संघवाद और विकेंद्रीकरण एक दूसरे से अलग हैं और इन्हें बराबर नहीं किया जा सकता है।
(c) विकेंद्रीकरण में शक्तियों का प्रत्यायोजन शामिल है।
(d) संघवाद और विकेंद्रीकरण एक साथ आने वाली संस्थाओं की स्थिति और शक्ति के मामले में भिन्न हैं लेकिन इन्हें एक ही मानने की गलती की जा रही है।

उत्तर (D)

स्पष्टीकरण: परिच्छेद में, लेखक ने विकेंद्रीकरण के लिए ऊपर से नीचे के दृष्टिकोण के साथ संघवाद के भीतर समानता को प्राथमिकता देकर संघवाद और विकेंद्रीकरण के बीच अंतर करने का प्रयास किया है।

अनुच्छेद : बहुत से लोग सही खाना नहीं खा रहे हैं। कुछ लोगों के लिए, यह केवल उस भोजन से चिपके रहने का निर्णय है जिसका वे आनंद लेते हैं लेकिन जो बहुत स्वास्थ्यवर्धक नहीं है। इससे गैर-संचारी रोगों में वृद्धि हो रही है। इसके परिणामस्वरूप हमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर एक बड़ा बोझ पड़ता है जो आर्थिक प्रगति को पटरी से उतारने की क्षमता रखता है जो गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक है। दूसरों के लिए, यह पौष्टिक भोजन तक सीमित पहुंच या सामर्थ्य की कमी के बारे में है, जिसके कारण नीरस आहार होता है जो उन्हें पूरी तरह से विकसित होने के लिए दैनिक पोषक तत्व प्रदान नहीं करता है। दुनिया भर में पोषण खतरे में है इसका एक कारण यह है कि हमारी खाद्य प्रणालियाँ पोषण संबंधी आवश्यकताओं को उचित रूप से पूरा नहीं कर रही हैं। खेत से कांटे तक उस लंबी सड़क पर कहीं-कहीं गंभीर मोड़ आ रहे हैं।

प्रश्न-34. निम्नलिखित में से कौन सा कथन परिच्छेद के सार को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?

(a) गरीबी उन्मूलन के उपाय के रूप में यूनिवर्सल बेसिक इनकम की योजना को दुनिया भर में लागू किया जाना चाहिए।
(b) हमें भोजन आधारित पोषण को अपनी नीतिगत बहस के केंद्र में रखना चाहिए।
(c) उचित आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें बनाकर भोजन की पोषण स्थिति में सुधार किया जाना चाहिए।
(d) आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके, हमें आवश्यक पोषक तत्वों के साथ खाद्य पदार्थों को मजबूत करना चाहिए।

उत्तर- (B)

स्पष्टीकरण-विकल्प (B) सही उत्तर है जो परिच्छेद के सबसे सटीक सार को दर्शाता है। यह भोजन की खपत, इसकी पहुंच और स्वास्थ्य तथा आर्थिक प्रगति पर इसके प्रभाव के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है, इसलिए भोजन-आधारित पोषण को नीति के केंद्र में रखना कोई बहस का विकल्प नहीं है। **विकल्प (A)** गलत तरीके से निर्दिष्ट किया गया है क्योंकि यह अनुच्छेद के मूल पर जोर नहीं देता है। **विकल्प (C) को गलत तरीके से समायोजित किया गया है क्योंकि यह आनुवंशिक रूप से संशोधित** फसलों की समस्या को रेखांकित नहीं करता है। इस प्रकार, यह विकल्प परिच्छेद के मुख्य बिंदु का सबसे सटीक प्रतिबिंब नहीं है **। विकल्प (D)** भी गलत उत्तर दर्शाता है क्योंकि यह समस्या के संभावित समाधान को नहीं दर्शाता है।

परिच्छेद: घर के अंदर वायु प्रदूषण का प्रतिकूल प्रभाव उन महिलाओं और बच्चों पर भी असमान रूप से पड़ता है जो सीधे तौर पर खाना पकाने में शामिल होते हैं या अपने समय का एक बड़ा हिस्सा घर के अंदर बिताते हैं। एक अध्ययन के अनुसार ठोस ईंधन जलाने से होने वाले घरेलू वायु प्रदूषण के कारण दुनिया भर में हर साल लगभग 4.3 मिलियन लोगों की मौत हो जाती है। जलाऊ लकड़ी और गोबर के उपलों जैसे अकुशल ईंधन का उपयोग करने से न केवल स्वास्थ्य को खतरा होता है, बल्कि उनके संग्रह के लिए काफी समय की आवश्यकता होती है। भारत में जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने में लगने वाले समय का एक अनुमान बताता है कि औसतन महिलाएं हर साल लगभग 374 घंटे जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने में बिताती हैं। इस प्रकार, आधुनिक ऊर्जा स्रोतों तक पहुंच से जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने में लगने वाले समय को कम किया जा सकता है, जिससे लड़कियों की शिक्षा और रोजगार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

प्रश्न- 35. लेखक द्वारा दिया गया सबसे महत्वपूर्ण संदेश है

(a) आधुनिक ऊर्जा स्रोतों की उपलब्धता इनडोर प्रदूषण के साथ-साथ लैंगिक समानता को भी प्रभावित करती है।
(b) ग्रामीण भारत में घरेलू वायु प्रदूषण महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली सबसे गंभीर चुनौती है।
(c) घरेलू खाना पकाने के लिए स्पष्ट ईंधन स्रोतों के प्रावधान में भारत अन्य देशों से पीछे है।
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर (A)

स्पष्टीकरण- विकल्प (A) सही है क्योंकि यह इनडोर प्रदूषण के प्रभावों के साथ-साथ लैंगिक समानता पर भी जोर देता है। बाकी विकल्प आवश्यक संदेश को पूरा नहीं कर रहे हैं।

परिच्छेद : दुनिया में कुछ स्थानों पर, चावल और गेहूं जैसे मुख्य खाद्य पदार्थों की उत्पादकता स्थिर स्तर पर पहुंच गई है। न तो नए प्रकार और न ही फैंसी कृषि रसायन पैदावार बढ़ा रहे हैं। न ही इतनी निहत्थी ज़मीन बची है जो हल के नीचे लाने लायक हो। यदि वैश्विक तापमान में वृद्धि जारी रही, तो कुछ स्थान खेती के लिए अनुपयुक्त हो जायेंगे। प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग से इन समस्याओं को दूर करने में मदद मिल सकती है। कृषि तकनीक तेजी से बदल रही है। इस बदलाव का अधिकांश हिस्सा पश्चिम/अमेरिका के समृद्ध किसानों द्वारा लाया गया है। उष्णकटिबंधीय फसलों को अधिक उत्पादक बनाने के लिए पश्चिम में विकसित तकनीकों को कुछ स्थानों पर अपनाया जा रहा है। यदि प्रौद्योगिकी को अनुकूलित नहीं किया गया तो उसका कोई उपयोग नहीं है। विकासशील दुनिया में, यह मौजूदा कृषि तकनीकों पर उतना ही लागू होता है जितना कि आनुवंशिकी में नवीनतम प्रगति पर। अफ्रीका और एशिया के छोटे किसानों और निर्वाह किसानों तक आज की सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों का विस्तार करना, ऐसे सरल मामलों में जैसे कि कितना उर्वरक लागू करना है और कब मानवता के लिए भोजन की उपलब्धता में काफी वृद्धि होगी। तो क्या बेहतर सड़कें और भंडारण सुविधाएं जैसी चीजें अधिशेष को बाजारों तक ले जाने और बर्बादी को कम करने की अनुमति देंगी? (2022)

प्रश्न-36. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. कृषि प्रौद्योगिकी का विकास विकसित देशों तक ही सीमित है।

2. विकासशील देशों में कृषि प्रौद्योगिकी को अपनाया नहीं जाता है।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर- (D)

स्पष्टीकरण- कथन 1 मान्य नहीं है क्योंकि अनुच्छेद में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग का उल्लेख किया गया है, इसका मतलब यह नहीं है कि कृषि में तकनीकी विकास केवल विकसित देशों तक ही सीमित है। पश्चिम वास्तव में कृषि में तकनीकी विकास का एक बड़ा हिस्सा रखता है, लेकिन यह उपरोक्त कथन को पूरी तरह से लागू नहीं करता है। **कथन 2** अमान्य है क्योंकि लेखक केवल अधिक प्राप्त करने योग्य चीजों जैसे इष्टतम उर्वरक अनुप्रयोग और बेहतर बुनियादी ढांचे के बारे में चेतावनी देता है। इसलिए, इस धारणा का अर्थ यह नहीं है कि विकासशील देशों में कृषि प्रौद्योगिकी को बिल्कुल भी नहीं अपनाया जाता है।

प्रश्न- 37. उपरोक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. गरीब देशों को अपनी मौजूदा कृषि तकनीकों में बदलाव लाने की जरूरत है।

2. विकसित देशों के पास बेहतर बुनियादी ढांचा है और वे कम खाना बर्बाद करते हैं।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर- (A)

स्पष्टीकरण- कथन 1 गद्यांश के अनुसार सही है यदि प्रौद्योगिकी को नहीं अपनाया जाता है तो इसका कोई उपयोग नहीं है और विकासशील देशों को मौजूदा कृषि तकनीकों में उतना ही बदलाव लागू करना चाहिए जितना कि कृषि पद्धतियों को बदलने के लिए आनुवंशिक संशोधन में नवीनतम तकनीक के साथ होता है। **कथन 2 सही नहीं है** क्योंकि परिच्छेद में विकसित देशों की बुनियादी ढांचे की स्थिति या भोजन की बर्बादी का कोई उल्लेख नहीं है।

प्रश्न-38. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. भावी पीढ़ियों के लिए पर्याप्त भोजन उगाना एक चुनौती होगी।

2. गरीब देशों में खाद्य सुरक्षा के लिए कॉर्पोरेट खेती एक व्यवहार्य विकल्प है।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर-(D)

स्पष्टीकरण- कथन 1 अमान्य है क्योंकि परिच्छेद के अनुसार हम निश्चित रूप से यह अनुमान नहीं लगा सकते हैं कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्याप्त भोजन उगाना एक चुनौती होगी या नहीं। **कथन 2 एक अमान्य** धारणा है क्योंकि परिच्छेद में कॉर्पोरेट खेती का कोई उल्लेख या संकेत नहीं है।

परिच्छेद: आज विकासशील विश्व के बारे में पहला तथ्य यह है कि यह अभूतपूर्व समृद्धि का युग है। और यह भारत के बारे में भी सच है जो दुनिया में सबसे गतिशील आर्थिक प्रदर्शन करने वालों में से एक रहा है। इन अच्छे समय का एक प्रमुख चालक "आर्थिक अभिसरण" है, जिसके तहत गरीब देश अमीर देशों की तुलना में तेजी से बढ़े हैं और जीवन स्तर में अंतर को कम किया है। अभिसरण प्रक्रिया पिछले 20-30 वर्षों से व्यापक और तेज हो रही है। हालांकि, एक ओर आशंका है मध्यम-आय का जाल बहुत अधिक फैला हुआ है, क्या भारत जैसे निम्न-मध्यम-आय वाले देशों के लिए इस प्रक्रिया में मंदी हो सकती है? वैश्विक वित्तीय संकट के बाद के युग में चार संभावित प्रतिकूलताओं के कारण इस तरह के "देर से बातचीत" की संभावना उत्पन्न होती है। जापान और कोरिया जैसे शुरुआती वार्तालापकर्ताओं के लिए यह काफी हद तक अनुपस्थित था।

प्रश्न-39. निम्नलिखित में से कौन सा उपाय सीधे तौर पर किया जाता है? आर्थिक विपरीत परिस्थितियों के प्रभाव का समाधान करें?

1. उच्च शिक्षा और कौशल उन्नयन में तेजी लाना, विशेषकर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में।
2. बड़े पैमाने के पूंजी उद्यमों का मध्यम से छोटे पैमाने के उद्यमों में स्थानांतरण।
3. निर्यात-उन्मुख नीति और सीमा शुल्क युक्तिकरण।

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) केवल 1, 2 और 3

उत्तर (C)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है क्योंकि यह अनुमान लगाता है प्रौद्योगिकी में कौशल उन्नयन

यह एक महत्वपूर्ण आर्थिक प्रतिकूल परिस्थिति हो सकती है। **कथन 2** गलत है क्योंकि यह बड़े पैमाने के उद्यमों को मध्यम से छोटे पैमाने के उद्यमों में सीधे स्थानांतरित करने पर जोर देता है, इसलिए यह गलत हो सकता है । **कथन 3** सही है क्योंकि यह निर्यात-उन्मुख नीति और सीमा शुल्क युक्तिकरण पर जोर देता है।

परिच्छेद: ऑक्सफोर्ड एडवांस्ड लर्नर्स डिक्शनरी 'एकीकरण' को दो या दो से अधिक चीजों के संयोजन की क्रिया या प्रक्रिया के रूप में परिभाषित करती है ताकि वे एक साथ काम करें। हालाँकि क्षेत्रीय एकीकरण एक अधिक जटिल प्रक्रिया है। इसमें आम तौर पर विभिन्न आर्थिक हितों, भाषाओं, प्रशासनिक प्रणालियों, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और राजनीतिक और सामाजिक चुनौतियों वाले कई देश शामिल होते हैं, चाहे वे उप-क्षेत्रीय या महाद्वीपीय स्तर पर हों। फिर भी क्षेत्रीय एकीकरण की अवधारणा को अपनाने में, इन देशों को इस तथ्य की सराहना करनी चाहिए कि उनके मतभेदों के कई बिंदुओं के बावजूद। उनके महत्वपूर्ण सामान्य हित हैं जिन पर न केवल बड़े क्षेत्रीय समूह या महाद्वीप के लाभ के लिए बल्कि अंततः व्यक्तिगत सदस्य देशों के लाभ के लिए चर्चा और प्रचार किया जाना चाहिए। भले ही अवधारणा की परिभाषा पर कोई सटीक सहमति नहीं है, इसमें ज्यादातर एक या अधिक लिखित समझौतों के आधार पर एक सहयोग ढांचा विकसित करना शामिल है जो सहयोग के क्षेत्रों के साथ-साथ शामिल देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ समन्वय निकायों का विस्तार से वर्णन करता है।

प्रश्न-40. निम्नलिखित में से कौन सा सबसे अच्छा वर्णन करता है कि लेखक परिच्छेद में क्या कहना चाह रहा है?

1. एकीकरण का सही अर्थ दो या दो से अधिक चीजों को मिलाना है।
2. क्षेत्रीय एकीकरण में आवश्यक रूप से समूहों को अपने सामान्य हितों की पहचान करना और उन्हें बढ़ावा देना शामिल होगा।
3. क्षेत्रीय सहयोग के लिए लिखित समझौते के रूप में सहयोग ढांचे का विकास अनिवार्य नहीं है।

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) केवल 3
(d) केवल 1, 2 और 3

उत्तर (B)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही नहीं है क्योंकि 'एकीकरण' का सही अर्थ दो या दो से अधिक चीजों को एक साथ जोड़कर काम करना है। **कथन 2** सही है क्योंकि लेखक यह संदेश देना चाहता है कि समान हितों को साझा करने के लिए क्षेत्रीय एकीकरण आवश्यक होगा। इसलिए, यह विकल्प क्षेत्रीय एकीकरण की अवधारणा को सही ढंग से अपनाता है जिसे बड़े क्षेत्रीय समूह

द्वारा साझा हितों को साझा करने के लिए बढ़ावा दिया जा सकता है। **कथन 3** फिर से सही नहीं है क्योंकि यह निष्कर्ष निकालता है कि लिखित समझौते के रूप में सहयोग ढांचे का विकास क्षेत्रीय सहयोग के लिए अनिवार्य नहीं है, यह धारणा गलत है।

परिच्छेद: प्राकृतिक चयन पृथ्वी पर भविष्य के वातावरण का अनुमान नहीं लगा सकता है। इसलिए, मौजूदा जीवों का समूह कभी भी जीवन की प्रतीक्षा करने वाली पर्यावरणीय आपदाओं के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हो सकता है। इसका परिणाम उन प्रजातियों का विलुप्त होना है जो पर्यावरणीय प्रतिकूलताओं से उबर नहीं सकतीं। जीवित रहने में इस विफलता को, आधुनिक शब्दों में, उन जीनोमों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है जो भूवैज्ञानिक अनियमितताओं या जैविक दुर्घटनाओं, संक्रमणों, बीमारियों आदि का सामना करने में असमर्थ हैं। पृथ्वी पर जैविक विकास में प्रजातियों का विलुप्त होना एक प्रमुख विशेषता रही है। पृथ्वी पर वर्तमान में दस मिलियन तक प्रजातियाँ हो सकती हैं, फिर भी पृथ्वी पर कभी रहने वाली 90% से अधिक प्रजातियाँ अब विलुप्त हो चुकी हैं। एक बार फिर, सृजनवादी सिद्धांत इसे संतोषजनक ढंग से संबोधित करने में विफल रहे क्योंकि एक दिव्य निर्माता पहले लाखों प्रजातियों को बनाने की जहमत उठाएगा और फिर उन्हें नष्ट होने देगा। विलुप्त जीवन के लिए डार्विनियन व्याख्या एक बार फिर से सरल, सुरुचिपूर्ण और तुरंत आश्वस्त करने वाली है कि पर्यावरण या जैविक हमलों के परिणामस्वरूप जीव विलुप्त हो जाते हैं, जिसके लिए उनकी विरासत उन्हें अपर्याप्त रूप से सुसज्जित मानती है। इसलिए, विकास का तथाकथित डार्विनियन सिद्धांत बिल्कुल भी एक सिद्धांत नहीं है। विकास होता है-यह एक सच्चाई है. विकास का तंत्र (डार्विन द्वारा प्रस्तावित प्राकृतिक चयन) वैज्ञानिक डेटा द्वारा पर्याप्त रूप से समर्थित है। वास्तव में, आज तक, किसी भी प्राणीशास्त्रीय, वनस्पति विज्ञान, भूवैज्ञानिक, जीवाश्म विज्ञान, आनुवंशिक या भौतिक साक्ष्य ने केंद्रीय दो मुख्य डार्विनियन विचारों में से किसी का भी खंडन नहीं किया है। यदि धर्म को ध्यान में नहीं रखा जाता है, तो डार्विनियन कानून कोपरनिकस, गैलीलियो, न्यूटन और आइंस्टीन द्वारा प्रस्तावित कानूनों की तरह ही स्वीकार्य हैं - प्राकृतिक कानूनों के सेट जो ब्रह्मांड में प्राकृतिक घटनाओं की व्याख्या करते हैं। (2022)

प्रश्न-41. परिच्छेद के अनुसार, प्राकृतिक चयन पृथ्वी पर भविष्य के वातावरण की आशा नहीं कर सकता है

1. जो प्रजातियाँ अपने सामने आने वाले पर्यावरणीय परिवर्तनों का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं, उन्हें विलुप्त होने का सामना करना पड़ेगा

2. सभी मौजूदा प्रजातियाँ विलुप्त हो जाएँगी क्योंकि उनके जीनोम जैविक दुर्घटनाओं का सामना नहीं कर पाएंगे

3. पर्यावरणीय परिवर्तनों को झेलने में जीनोम की अक्षमता के परिणामस्वरूप विलुप्ति होगी

4. प्रजातियों का विलुप्त होना एक सामान्य विशेषता है

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) 1, 2 और 3
(b) 2, 3 और 4
(c) 1, 3 और 4
(d) 1, 2 और 4

उत्तर- (C)

जैसे परिच्छेद आगे बढ़ता है, **कथन 1 सही होता जाता है** प्राकृतिक चयन बताता है कि जो प्रजातियाँ पर्यावरण के अनुकूल नहीं हैं वे विलुप्त हो जाएँगी या जो प्रजातियाँ पर्यावरणीय प्रतिकूलताओं से उबर नहीं सकतीं उन्हें विलुप्त होने का सामना करना पड़ेगा। **कथन 2** सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद बताता है कि वे प्रजातियाँ जो अपने जीन के कारण पर्यावरणीय प्रतिकूलताओं का सामना कर सकती हैं, विलुप्त नहीं होंगी, और इसका श्रेय उन जीनोम को दिया जा सकता है जो भूवैज्ञानिक अनिश्चितताओं या जैविक दुर्घटनाओं का सामना करने में असमर्थ हैं। अतः यह कथन गलत है। **कथन 3** सही है क्योंकि जीवित रहने में इस विफलता को, आधुनिक शब्दों में, उन जीनोमों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है जो भूवैज्ञानिक अनिश्चितताओं या जैविक दुर्घटनाओं का सामना करने में असमर्थ हैं। **कथन 4** सही है और सही ढंग से बताता है कि प्रजातियों का विलुप्त होना कोई सामान्य विशेषता नहीं है।

प्रश्न-42. परिच्छेद से पता चलता है कि विकास का डार्विनियन सिद्धांत बिल्कुल भी एक सिद्धांत नहीं है क्योंकि।

(a) यह सृजनवादी सिद्धांत को संतुष्ट नहीं करता है।
(b) विलुप्ति पर्यावरणीय और जैविक हमलों का एक कार्य है।
(c) इसका खंडन करने के लिए कोई सबूत नहीं है।
(d) जीवों के अस्तित्व का श्रेय एक निर्माता को दिया जाता है।

उत्तर- (C)

स्पष्टीकरण- विकल्प (A) गद्यांश के अनुसार सही नहीं है, सृजनवादी सिद्धांत विकास की व्याख्या करने में सक्षम नहीं है, इसलिए यह बिल्कुल भी वैध विकल्प नहीं है। **विकल्प (B)** गद्यांश के अनुसार गलत है, विलुप्त होना वास्तव में पर्यावरणीय और जैविक हमलों का एक कार्य है जो कि एक वैध स्पष्टीकरण नहीं है जैसा कि गद्यांश में कहा गया है। **विकल्प (C)** सबसे सही और वैध उत्तर है क्योंकि विकास के तंत्र में डार्विन का प्रस्तावित प्राकृतिक चयन वैज्ञानिक डेटा द्वारा पर्याप्त रूप से समर्थित है। इसलिए, इसका खंडन करने के लिए कोई सबूत नहीं है, जो डार्विनियन सिद्धांत की विश्वसनीयता को बढ़ाता है और इसे एक तथ्य के रूप में स्थापित करता है। अतः यह विकल्प सही है। **विकल्प (D)** सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद स्थापित करता है कि सृजनवादी सिद्धांत विकास को संतोषजनक ढंग से संबोधित करने में विफल हैं।

प्रश्न-43. परिच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. केवल वही प्रजातियाँ जो पर्यावरणीय आपदाओं पर काबू पा सकती हैं, जीवित रहेंगी और कायम रहेंगी।

2. पर्यावरण में भारी बदलाव के कारण पृथ्वी पर मौजूद 90% से अधिक प्रजातियाँ विलुप्त होने के ख़तरे में हैं।

3. डार्विन का सिद्धांत सभी प्राकृतिक घटनाओं की व्याख्या करता है।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर- (A)

स्पष्टीकरण- धारणा 1 सही है क्योंकि परिच्छेद में कहा गया है कि किसी प्रजाति का विलुप्त होना मुख्य रूप से पर्यावरणीय आपदा के प्रति गैर-अनुकूलन के कारण होता है। यह उन प्रजातियों में परिलक्षित होता है जो पर्यावरणीय प्रतिकूलताओं से उबर नहीं पाती हैं। अतः यह विकल्प सही है। **अनुमान 2** सही नहीं है क्योंकि पृथ्वी पर वर्तमान में दस मिलियन तक प्रजातियाँ हो सकती हैं, फिर भी पृथ्वी पर रहने वाली 90% से अधिक प्रजातियाँ अब विलुप्त हो चुकी हैं, इसलिए यह कहना गलत है कि पृथ्वी पर 90% से अधिक प्रजातियाँ हैं पर्यावरण में भारी बदलाव के कारण पृथ्वी के विलुप्त होने का खतरा है। **अनुमान 3** है गलत है क्योंकि

डार्विन का सिद्धांत केवल विकास की प्राकृतिक घटनाओं की व्याख्या करता है, ब्रह्मांड की सभी प्राकृतिक घटनाओं की नहीं।

परिच्छेद: वास्तविक अर्थ में सभ्यता गुणा में नहीं, बल्कि इच्छाओं की जानबूझकर और स्वैच्छिक कमी में शामिल है, जो वास्तविक खुशी और संतुष्टि को बढ़ावा देती है और सेवा क्षमता को बढ़ाती है। कोई भी व्यक्ति दृढ़ता से अपनी इच्छाओं को कम कर सकता है, और इच्छाओं में कमी से एक खुश स्वस्थ शरीर और एक शांतिपूर्ण मन बनता है। सुनहरा नियम यह है कि जो लाखों लोग नहीं पा सकते, उसे पाने से दृढ़तापूर्वक इनकार कर दें। मना करने की यह क्षमता हममें अचानक नहीं आएगी। पहली बात यह है कि उस मानसिक मनोवृत्ति को विकसित किया जाए जिससे लाखों लोगों को संपत्ति या सुविधाओं से वंचित नहीं किया जाएगा और अगली तत्काल बात यह है कि उस मानसिकता के अनुसार जितनी जल्दी हो सके अपने जीवन को पुनर्व्यवस्थित किया जाए।

प्रश्न-44. निम्नलिखित में से कौन सा कथन परिच्छेद में कही गई बात की तार्किक पुष्टि है?

1. इच्छाएँ दुःख की ओर ले जाती हैं।
2. सभी संपत्तियों का संरक्षण मोक्ष की कुंजी है।
3. संतोष और शांति पाने के लिए व्यक्ति को अपने मन पर शासन करना चाहिए।

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 1 और 3

उत्तर (D)

स्पष्टीकरण- परिच्छेद **कथन 1 के अनुसार** सही है क्योंकि परिच्छेद इच्छाओं को कम करने पर जोर देता है जो स्वस्थ शरीर और शांतिपूर्ण दिमाग बनाता है, इस बीच इच्छाएं हमेशा दुख का कारण बनती हैं। **कथन 2** गलत है क्योंकि यह इस बात पर जोर देता है कि सभी प्रकार की संपत्ति को संरक्षित करना ही मोक्ष की कुंजी है जो कि एक गलत धारणा है **। कथन 3** सही है क्योंकि यह इस बात पर जोर देता है कि संतुष्टि और शांति प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को अपने मन पर शासन करना चाहिए।

परिच्छेद: लंबे समय तक चलने वाला संस्थागत विकास राजकोषीय जवाबदेही के साथ सह-विकसित होता है, जिसमें संभवतः हस्तांतरित संसाधनों पर कम और घटती निर्भरता और कुल करों में प्रत्यक्ष करों की एक उच्च और बढ़ती हिस्सेदारी शामिल होती है। भारत की सरकार का दूसरा और तीसरा स्तर इन मानकों के सापेक्ष कमज़ोर प्रदर्शन करता है। इन स्तरों पर कर की सीमा और कार्यात्मक हस्तांतरण एक संभावित स्पष्टीकरण है। हालाँकि, एक प्रमुख निष्कर्ष यह है कि ये स्तर उनके पास मौजूद शक्तियों के सापेक्ष भी प्रत्यक्ष करों का कम संग्रहण करते हैं। क्या इससे कमजोर प्रत्यक्ष कर संग्रह के कारण कम संतुलन का जाल बन सकता है, जिससे अपर्याप्त सेवा वितरण प्रावधान कमजोर संग्रह और जवाबदेही पर वापस आ सकता है, इस पर सक्रिय रूप से चर्चा करने की आवश्यकता है।

प्रश्न-45. उपरोक्त परिच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

1. प्रत्यक्ष कर संग्रह के निम्न स्तर को आंशिक रूप से संसाधनों पर उच्च निर्भरता के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।
2. राजकोषीय जवाबदेही और संस्थागत विकास आम तौर पर साथ-साथ चलते हैं।

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर (C)

स्पष्टीकरण- कथन I गद्यांश के अनुसार गलत है। यदि प्रत्यक्ष कर संग्रह का स्तर निम्न है तो इसमें संसाधनों पर निम्न स्तर की निर्भरता हो सकती है, इसलिए यह कहना गलत है कि प्रत्यक्ष कर संग्रह का निम्न स्तर संसाधनों पर उच्च निर्भरता के लिए जिम्मेदार हो सकता है। **कथन 2** परिच्छेद के अनुसार सही है, संस्थागत विकास राजकोषीय जवाबदेही के साथ सह-विकसित होता है और साथ-साथ चलता है, इसलिए यह विकल्प सही है।

परिच्छेद: समावेशी विकास की दिशा में, भारत शैक्षिक उपलब्धियों, स्वास्थ्य परिणामों और रोजगार के अवसरों में अंतर को पाटने के लिए महिलाओं और लोगों के हाशिए पर मौजूद वर्गों को शामिल करने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्रों के लिए कार्यक्रम लागू कर रहा है। यद्यपि व्यापक आर्थिक विकास और कुशल बाजार आवश्यक हैं, लेकिन विकास को व्यापक आधार देने के लिए यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि विकास के लाभ सभी नागरिकों के लिए समान रूप से सुलभ हों। निष्कर्ष के तौर पर, समावेशी विकास का समर्थन करने वाली नीति और संस्थागत पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना देशों के लिए सर्वोच्च

नीति प्राथमिकता होनी चाहिए, चाहे वे धीमी वृद्धि, बढ़ी हुई असमानता, या दोनों का अनुभव कर रहे हों। चौथी औद्योगिक क्रांति में आगे बढ़ने के इच्छुक देशों के लिए यह एक अनिवार्यता है।

Q- 46. इस परिच्छेद से सबसे तार्किक निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

(a) व्यापक आधार वाले विकास के लिए दक्षता और समानता दोनों आवश्यक हैं।
(b) समावेशी विकास की दिशा में भारत का प्रयास पर्याप्त नहीं रहा है।
(c) दोनों (ए) और (बी)
(d) न तो (ए) और न ही (बी)

उत्तर (A)

स्पष्टीकरण- विकल्प (A) सही है परिच्छेद **कथन 1 के अनुसार** उपरोक्त पाठ से सबसे अच्छा निष्कर्ष निकाला जा सकता है। यह परिच्छेद भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले वर्गों के समावेशी विकास पर केंद्रित है जिसे व्यापक आधार वाले विकास के लिए आर्थिक बाजार में दक्षता और समानता द्वारा सुनिश्चित किया जा सकता है, इसलिए यह विकल्प सही है। **कथन 2** ग़लत है क्योंकि परिच्छेद में यह नहीं कहा गया है कि भारत समावेशी विकास की दिशा में पर्याप्त प्रयास नहीं करता है।

परिच्छेद : स्थिर आर्थिक विकास, उच्च साक्षरता और बढ़ते कौशल स्तर के साथ, भारतीय मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या तेजी से बढ़ी है। समृद्धि के प्रत्यक्ष परिणाम आहार पैटर्न और ऊर्जा खपत के स्तर में परिवर्तन हुए हैं। लोग दूध उत्पाद, मछली और मांस जैसे उच्च प्रोटीन-आधारित आहार की ओर बढ़ गए हैं, इन सभी को अनाज-आधारित आहार की तुलना में अधिक पानी की आवश्यकता होती है। इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिक मशीनों/गैजेट्स और मोटर वाहनों के बढ़ते उपयोग के कारण अधिक से अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है और ऊर्जा उत्पादन के लिए पानी की आवश्यकता होती है। (2022)

प्रश्न-47. निम्नलिखित में से कौन सा कथन परिच्छेद के सार को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?

(a) लोगों को मुख्य रूप से भारतीय पारंपरिक अनाज-आधारित आहार जारी रखने के लिए राजी किया जाना चाहिए।
(b) भारत को आने वाले वर्षों में अधिक ऊर्जा उत्पादन के लिए कृषि उत्पादकता और क्षमता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।
(c) आधुनिक तकनीकी विकास के परिणामस्वरूप लोगों के सांस्कृतिक और सामाजिक व्यवहार में बदलाव आया है।

(d) भारत में जल प्रबंधन प्रथाओं को आने वाले वर्षों में नाटकीय रूप से बदलने की जरूरत है।

उत्तर-(D)

स्पष्टीकरण- विकल्प (D) परिच्छेद का सही सार है और बताता है कि दोनों पहलुओं को बनाए रखने के लिए भारत में जल प्रबंधन प्रथाओं को आने वाले वर्षों में काफी नाटकीय रूप से बदलने की जरूरत है। **विकल्प (A)** सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद पारंपरिक अनाज-आधारित आहार के लिए कोई सुझाव नहीं देता है। **विकल्प (B)** सही नहीं है क्योंकि फिर से परिच्छेद केवल अनाज आधारित आहार की तुलना में प्रोटीन आधारित आहार उत्पादन के मुद्दे के बारे में बात करता है जो आने वाले वर्षों में अधिक ऊर्जा उत्पादन करता है **। विकल्प (C)** गलत है क्योंकि परिच्छेद आर्थिक विकास और आहार पैटर्न पर इसके प्रभाव के बारे में बात करता है। हालाँकि, इसमें लोगों के सामाजिक व्यवहार पर बिल्कुल भी चर्चा नहीं की गई है।

परिच्छेद: यद्यपि यह जटिल प्रतीत होता है, पिछले 10 वर्षों में मूर के नियम और बड़े इंटरनेट अनुप्रयोगों के उपयोग के कारण कंप्यूटिंग शक्ति में नाटकीय सुधार हुए हैं। आज हम प्रति सेकंड लाखों मैच कर सकते हैं। आधार बड़े पैमाने पर और आधुनिक कम्प्यूटेशनल तकनीक का उपयोग करता है। आधार ऑनलाइन प्रमाणीकरण की सुविधा प्रदान करता है। देश में कहीं भी किसी भी विशिष्ट पहचान संख्या और बायोमेट्रिक्स को फीड करके सिस्टम अपने केंद्रीय सर्वर के माध्यम से तुरंत पुष्टि करेगा कि क्या वह व्यक्ति वास्तव में वही व्यक्ति है जिसके होने का वह दावा करता है। इस तरह की ऑनलाइन आईडी प्रणाली का प्रयास दुनिया में कहीं और नहीं किया गया है।

प्रश्न-48. लेखक जिस मुख्य संदेश/संदेश को बताना चाहता है उसके बारे में निम्नलिखित में से क्या कहा जा सकता है?

1. समय के साथ गणना की शक्ति में नाटकीय रूप से सुधार हुआ है।
2. तत्काल ऑनलाइन प्रमाणीकरण सुविधा आधार की एक अनूठी विशेषता है।
3. आधार और यूनिक आईडी के विविध अनुप्रयोग और संभावनाएं हैं।

(a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 2

उत्तर (D)

स्पष्टीकरण- कथन 2 गद्यांश के अनुसार सही है, देश में कहीं भी किसी भी विशिष्ट पहचान संख्या और बायोमेट्रिक्स को फीड करके सिस्टम अपने केंद्रीय सर्वर के माध्यम से तुरंत पुष्टि करेगा कि क्या वह व्यक्ति वास्तव में वही व्यक्ति है, जिसका वह दावा करता है। **कथन 1** गलत है क्योंकि परिच्छेद इस बात पर जोर देता है कि समय के साथ 10 वर्षों में कम्प्यूटेशनल शक्ति में नाटकीय रूप से सुधार हुआ है, हालांकि यह जटिल प्रतीत होता है इसलिए यह विकल्प सही नहीं है **। कथन 3** फिर से गलत है क्योंकि अनुच्छेद के अनुसार आधार और विशिष्ट आईडी में विविध अनुप्रयोग और संभावनाएं हैं क्योंकि ये केवल किसी व्यक्ति की पहचान को पहचानने के लिए विशिष्ट पहचान संख्याएं हैं।

अनुच्छेद : संविधान भारत के बारे में बात करता है जो भारत राज्यों का एक संघ है। यह राज्यों का संघ नहीं है. इसे राज्यों के संघ के रूप में वर्णित किया गया है और संविधान में कई अनुच्छेद इसके व्यापक चरित्र पर जोर देते हैं। अनुच्छेद 3 में हमारी नीति का एकात्मक चरित्र भारत की संसद को एक नया राज्य बनाने, राज्यों को विभाजित करने, राज्यों की सीमा बदलने और राज्य का नाम बदलने की शक्ति देता है। आप इसे राज्यों के संघ के साथ कैसे कर सकते हैं? यह एक ऐसी शक्ति है जो अपनी संसद के माध्यम से केंद्र को, संघ को प्रमुखता देती है।

Q- 49.निम्नलिखित में से कौन सा/से तार्किक निष्कर्ष है/हैं जो परिच्छेद से निकाला जा सकता है?

1. भारतीय संविधान प्रकृति में एकात्मक है।
2. एक संघ अनिवार्य रूप से उन सभी राज्यों के एक साथ आने से बनता है जिनके पास समान शक्ति होती है और केंद्र और राज्यों के बीच शक्ति का समान विभाजन होता है।

(a) केवल 1 ही सही तार्किक निष्कर्ष है।
(b) केवल 2 ही सही तार्किक निष्कर्ष है।
(c) 1 और 2 दोनों सही तार्किक निष्कर्ष हैं।
(d) न तो 1 और न ही 2 सही तार्किक निष्कर्ष है।

उत्तर (A)

स्पष्टीकरण- विकल्प (A) परिच्छेद की ओर से सही है, **कथन 1** इस बात पर जोर देता है कि भारतीय संविधान प्रकृति में एकात्मक है, इसलिए यह कथन सही है। **कथन 2** गलत है क्योंकि संघीय व्यवस्था उस प्रकार की सरकार है जहां सत्ता केंद्र और राज्यों के बीच विभाजित होती है; (संयुक्त राज्य अमेरिका) जहां राज्य स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकते हैं, यदि भारतीय संविधान प्रकृति में एकात्मक है, तो यह कथन उसका सही ढंग से पालन नहीं कर सकता है, इसलिए यह एक गलत कथन है।**परिच्छेद:** पूंजी और श्रम के बीच संघर्ष में, आम तौर पर यह कहा जा सकता है कि अक्सर पूंजीपति गलत बॉक्स में होते हैं। लेकिन जब श्रम को अपनी

ताकत का पूरा एहसास हो जाता है, तो मैं जानता हूं कि वह पूंजी से भी अधिक अत्याचारी हो सकता है। मिल मालिकों को श्रमिकों द्वारा तय की गई शर्तों पर काम करना होगा यदि मिल मालिक पूर्व की बुद्धिमत्ता पर नियंत्रण कर सकें। हालाँकि, यह स्पष्ट है कि श्रम कभी भी उस बुद्धि को प्राप्त नहीं कर पाएगा, यदि ऐसा होता है, तो श्रम श्रम नहीं रह जाएगा और स्वयं स्वामी बन जाएगा। पूंजीपति सिर्फ पैसे के बल पर नहीं लड़ते. उनके पास बुद्धि और चातुर्य होता है।

प्रश्न-50. निम्नलिखित में से कौन सा एक महत्वपूर्ण संदेश है जिसे लेखक बताना चाहता है?

(a) पूंजीपति हमेशा गलत होते हैं।
(b) श्रमिक वर्ग पूंजीपतियों की तुलना में अधिक अत्याचारी है।
(c) श्रमिकों और पूंजीपतियों के बीच संघर्ष हमेशा जारी रहेगा।
(d) पूंजीपतियों ने बेहतर प्रदर्शन किया क्योंकि उनके पास बुद्धि और ज्ञान था।

उत्तर (D)

गद्यांश के अनुसार **विकल्प (D) सही है, ज्यादातर पूंजीपति अपने क्षेत्र में प्रशिक्षित और अनुभवी होते हैं और व्यवसाय में बेहतर प्रदर्शन करते हैं,** इस प्रकार, यह विकल्प गद्यांश के सार को बेहतर ढंग से पकड़ता है। **विकल्प (A)** गलत तरीके से मानता है कि पूंजीपति हमेशा गलत होते हैं, क्योंकि यह थोड़ा सही लगता है लेकिन वे हमेशा गलत होते हैं, यह एक चरम धारणा होगी, क्योंकि पूंजीपतियों के पास समस्याओं से निपटने और उनसे बाहर निकलने का उत्कृष्ट ज्ञान और अनुभव है, इसलिए , यह कहना गलत है कि वे हमेशा गलत होते हैं। **विकल्प (B)** सही नहीं है क्योंकि यह निष्कर्ष निकालता है कि यदि पूंजी श्रम में स्थानांतरित हो जाती है, तो उन्हें अत्याचारी हो जाना चाहिए, न तो पूंजीपति और न ही श्रमिक अत्याचारी हैं। **विकल्प (C)** फिर से गलत है क्योंकि यदि पूंजीपति हमेशा मजदूरों को बेहतर मुआवजा, मजदूरी और लाभ में अच्छी हिस्सेदारी प्रदान करते हैं तो संघर्ष कम हो सकता है।

परिच्छेद: मानव विकास में प्रगति को बनाए रखने में मुख्य खतरा उत्पादन और उपभोग पैटर्न की बढ़ती स्पष्ट अस्थिरता से आता है। वर्तमान उत्पादन मॉडल जीवाश्म ईंधन पर बहुत अधिक निर्भर हैं। अब हम जानते हैं कि यह टिकाऊ नहीं है क्योंकि संसाधन सीमित हैं। मानव विकास को वास्तव में टिकाऊ बनाने के लिए आर्थिक विकास और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के बीच घनिष्ठ संबंध की आवश्यकता है। कुछ विकसित देशों ने रीसाइक्लिंग का विस्तार करके और सार्वजनिक परिवहन और बुनियादी ढांचे में निवेश करके सबसे बुरे प्रभावों को

कम करना शुरू कर दिया है। हालाँकि, अधिकांश विकासशील देश स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की उच्च लागत और कम उपलब्धता से बाधित हैं। विकसित देशों को विकासशील देशों के सतत मानव विकास में परिवर्तन का समर्थन करने की आवश्यकता है।

Q- 51. उत्पादन पैटर्न में अस्थिरता निम्नलिखित में से किसके कारण है?

1. जीवाश्म ईंधन पर भारी निर्भरता।

2. संसाधनों की सीमित उपलब्धता.

3. रीसाइक्लिंग का विस्तार.

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर-(A)

स्पष्टीकरण - कथन 1 सही है क्योंकि परिच्छेद में उल्लेख किया गया है कि विकास उत्पादन और उपभोग पैटर्न की बढ़ती स्पष्ट अस्थिरता से आता है और वर्तमान उत्पादन पैटर्न जीवाश्म ईंधन पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। इसलिए, अनुच्छेद के अनुसार जीवाश्म ईंधन पर भारी निर्भरता सही विकल्प है। **कथन 2** फिर से सही है क्योंकि लेखक का कहना है कि विकास उत्पादन और उपभोग पैटर्न की बढ़ती स्पष्ट अस्थिरता से आता है। हम जानते हैं कि संसाधन असीमित नहीं हैं, सीमित हैं, इसलिए यह राय सही भी है। **कथन 3** सही नहीं है क्योंकि कुछ विकसित देशों ने रीसाइक्लिंग का विस्तार करके सबसे बुरे प्रभावों को कम करना शुरू कर दिया है और रीसाइक्लिंग से अस्थिर उत्पादन के प्रभाव कम हो जाते हैं, इसलिए यह विकल्प गलत है।

प्रश्न-52. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

विकसित देश विकासशील देशों को सतत मानव विकास में परिवर्तन का समर्थन कर सकते हैं

1. कम लागत पर स्वच्छ ऊर्जा स्रोत उपलब्ध कराना।

2. उनके सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने के लिए मामूली ब्याज दरों पर ऋण प्रदान करें।

3. उन्हें अपने उत्पादन और उपभोग पैटर्न को बदलने के लिए प्रोत्साहित करना।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर- (B)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है क्योंकि लेखक ने उल्लेख किया है कि विकसित देशों को कम लागत पर स्वच्छ ऊर्जा स्रोत उपलब्ध कराने में विकासशील देशों का समर्थन करने की आवश्यकता है, यही कारण है कि यह विकल्प उपरोक्त दावे का सही समर्थन करता है। **कथन 2** सही है क्योंकि विकासशील देश उच्च लागत और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की कम उपलब्धता से बाधित हैं। इसलिए, विकासशील देशों को अपने सार्वजनिक परिवहन में सुधार के लिए मामूली ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। **कथन 3** गलत है इसने बदलते उत्पादन और उपभोग पैटर्न के मार्ग की एक संकीर्ण व्याख्या की है।

परिच्छेद: भारत ऊर्जा, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से संबंधित बड़ी संख्या में कार्य करना और प्रभावी ढंग से कार्यान्वित करना जारी रखता है। विशेष रूप से, इसमें नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, टिकाऊ कृषि, टिकाऊ आवास, जल, वानिकी, हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र, ज्ञान और क्षमता निर्माण शामिल हैं। ये कार्रवाइयां जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और ऊर्जा पहुंच के लक्ष्यों को पूरा करने और उनमें सामंजस्य बिठाने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। भारत यह भी अपेक्षा करता है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय महत्वाकांक्षी हो और समानता और सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों के सिद्धांतों का पालन करते हुए अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करे।

प्रश्न-53. उपरोक्त परिच्छेद पर विचार करते हुए, दिए गए कथनों में से कौन सा कथन सबसे तार्किक निष्कर्ष कहा जा सकता है?

(a) भारत ने जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त कदम उठाए हैं।

(b) भारत ने जलवायु परिवर्तन के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को प्रोत्साहित करने के लिए उचित कदम उठाए हैं।
(c) भारत जलवायु परिवर्तन के बारे में अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर (C)
स्पष्टीकरण- विकल्प (C) सही है, क्योंकि यह इस बात पर जोर देता है कि भारत जलवायु परिवर्तन के संबंध में अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए, यह विकल्प परिच्छेद का सबसे तार्किक निष्कर्ष होगा । **विकल्प (A)** सबसे तार्किक निष्कर्ष होने के लिए पर्याप्त नहीं है क्योंकि यह अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भारत द्वारा उठाए गए पर्याप्त कदमों की तलाश कर रहा है, परिच्छेद जलवायु परिवर्तन के प्रति अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भारत द्वारा की गई प्रतिबद्धता का अनुमान लगाता है, इसलिए यह विकल्प सही नहीं है परिच्छेद के सही सार को पकड़ता है । परिच्छेद के अनुसार **विकल्प (B) फिर से गलत है, भारत भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय से महत्वाकांक्षी होने और जलवायु परिवर्तन के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की उम्मीद कर रहा है, इसलिए यह विकल्प सही नहीं है। विकल्प (D)** गलत है क्योंकि यह किसी भी चीज़ को संदर्भित नहीं करता है।

परिच्छेद: प्रतिस्पर्धा और विपणन की समस्याएँ आने पर बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण अनिवार्य रूप से ग्रामीणों के निष्क्रिय या सक्रिय शोषण को बढ़ावा देगा। इसलिए, हमें गाँव को आत्मनिर्भर बनाने और मुख्य रूप से उपयोग के लिए विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

प्रश्न-54. परिच्छेद में जो कहा गया है, उसके संदर्भ में, निम्नलिखित में से किसे लेखक द्वारा बनाई गई सबसे अच्छी धारणा कहा जा सकता है?
(a) अल्प संसाधनों वाले ग्रामीण बड़े औद्योगिक केंद्रों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते।
(b) औद्योगिक केंद्रों से प्रतिस्पर्धा के बावजूद गांवों में स्थानीय उपभोग-आधारित विनिर्माण फल-फूल सकता है।
(c) दोनों (ए) और (बी)
(d) न तो (ए) और न ही (बी)

उत्तर-(C)
स्पष्टीकरण- विकल्प (C) सही है क्योंकि बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण से कड़ी प्रतिस्पर्धा की समस्याओं के साथ ग्रामीणों का सक्रिय शोषण हो सकता है, इसलिए हमें उपयोग के लिए स्व-

निहित विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसलिए, दोनों **विकल्प (A)** और **(B)** सही हैं।

परिच्छेद : जब भारत में गरीबी की सीमा को समझने की बात आती है तो गरीबी रेखा काफी असंतोषजनक है। यह न केवल 'गरीब कौन है' की बेहद संकीर्ण परिभाषा और गरीबों की गिनती के लिए इस्तेमाल की जाने वाली विवादास्पद पद्धति के कारण है, बल्कि इसमें अंतर्निहित एक अधिक मौलिक धारणा के कारण भी है। यह विशेष रूप से अपर्याप्त आय या अपर्याप्त क्रय शक्ति के रूप में गरीबी की धारणा पर निर्भर करता है। इसे आय गरीबी कहकर बेहतर ढंग से वर्गीकृत किया जा सकता है। यदि गरीबी अंततः मानव कल्याण को प्रभावित करने वाले अभावों के बारे में है, तो आय गरीबी इसका केवल एक पहलू है। हमारे विचार में, जीवन की गरीबी न केवल उस दरिद्र स्थिति में निहित है जिसमें व्यक्ति रहता है, बल्कि सामाजिक बाधाओं के साथ-साथ व्यक्तिगत परिस्थितियों द्वारा अन्य प्रकार के जीवन को चुनने के लिए दिए गए वास्तविक अवसर की कमी में भी निहित है। यहां तक कि कम आय, कम संपत्ति और मानक रूप से आर्थिक गरीबी के रूप में देखे जाने वाले अन्य पहलुओं की प्रासंगिकता अंततः क्षमताओं को कम करने में उनकी भूमिका से संबंधित है, यानी, लोगों के पास परिवर्तनशील और मूल्यवान जीवन जीने के विकल्पों को गंभीर रूप से प्रतिबंधित करने में उनकी भूमिका है।

प्रश्न-55. 'जीवन की गरीबी' से लेखक का क्या तात्पर्य है?

(a) मानव जीवन में सभी अभाव जो न केवल आय की कमी से बल्कि वास्तविक अवसरों की कमी से उत्पन्न होते हैं।
(b) ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गरीब लोगों की गरीब स्थिति।
(c) विभिन्न व्यक्तिगत परिस्थितियों में अवसर चूक गए।
(d) मानव जीवन में भौतिक और गैर-भौतिक अभाव जो मानव विकल्पों को स्थायी रूप से प्रतिबंधित करते हैं।

उत्तर- (A)

स्पष्टीकरण- विकल्प (A) सही है और सबसे अच्छा उत्तर है क्योंकि लेखक केवल आय के बजाय विकल्पों और वास्तविक अवसरों की कमी से उत्पन्न होने वाले अभाव का मामला बनाता है। **विकल्प (B)** सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद में ग्रामीण बनाम शहरी गरीबों का कोई उल्लेख नहीं है। **विकल्प (C)** गलत है क्योंकि लेखक छूटे हुए अवसरों के बजाय अवसरों की कमी का

उल्लेख करता है। **विकल्प (D)** फिर से गलत है क्योंकि यह मानव विकल्पों को स्थायी रूप से प्रतिबंधित करता है।

प्रश्न- 56. भारत में 'गरीबों' की गिनती के लिए अपनाई जाने वाली पद्धति विवादास्पद क्यों है?

(a) 'गरीबी रेखा' क्या होनी चाहिए, इसके बारे में कुछ भ्रम है।
(b) ग्रामीण और शहरी गरीबों की स्थितियों में व्यापक विविधताएं हैं।
(c) आय गरीबी को मापने के लिए कोई समान वैश्विक मानक नहीं है।
(d) यह अल्प आय या क्रय क्षमता के रूप में गरीबी के प्रस्ताव पर आधारित है।

उत्तर- (D)

स्पष्टीकरण - विकल्प (A) गलत है क्योंकि गरीबी की पद्धति या वर्गीकरण के संबंध में कोई भ्रम नहीं है। लेखक बताता है कि गरीबी आय और क्रय शक्ति और वास्तविक अवसर की कमी से परे है। **विकल्प (B)** ग्रामीण या शहरी गरीबों की विविधता के दायरे से परे उल्लेख करना गलत है। **विकल्प (C)** फिर से गलत है और आय गरीबी को मापने के लिए कोई समान वैश्विक मानक नहीं होने का उल्लेख करके परिच्छेद के दायरे से परे चला जाता है। **विकल्प (D)** सही है क्योंकि यह आय या क्रय शक्ति के लेंस के माध्यम से गरीबी को मापने वाली विभिन्न रेखाओं के माध्यम से मुख्य संदेश देता है; चूंकि 'अत्यंत' या 'गरीब कौन है' अधिक विवादास्पद हैं, इसलिए , यह विकल्प अनुच्छेद के अंतर्निहित अर्थ को पकड़ लेता है।

प्रश्न57. आय गरीबी केवल 'गरीबों' की गिनती का एक पैमाना क्यों है?

(a) यह अन्य सभी को नजरअंदाज करते हुए केवल एक प्रकार के अभाव की बात करता है।
(b) मानव जीवन में अन्य अभावों का क्रय शक्ति की कमी से कोई लेना-देना नहीं है।
(c) आय गरीबी कोई स्थायी स्थिति नहीं है; यह समय-समय पर बदलता रहता है।
(d) आय गरीबी केवल एक समय में मानव विकल्पों को प्रतिबंधित करती है।

उत्तर- (A)

स्पष्टीकरण- विकल्प (A) सही है क्योंकि यह विकल्प आय गरीबी पर जोर देता है। गरीबी अंततः एक प्रकार का अभाव है जो मानव कल्याण को प्रभावित करता है, इसलिए 'गरीब' आय को मापना गरीबी एक प्रमुख कारक होगा, इसलिए यह विकल्प सही है। **विकल्प (B)** सही

नहीं है क्योंकि यह विकल्प चरम है, परिच्छेद में किसी व्यक्ति की क्रय शक्ति को प्रभावित करने वाले कारकों के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया है, इसलिए, यह विकल्प परिच्छेद के दायरे से परे चला जाता है। **विकल्प (C)** गलत है क्योंकि इसमें आय के अस्थायी या स्थायी होने का कोई उल्लेख नहीं है । **विकल्प (D)** गलत है क्योंकि परिच्छेद में समय पर विचार नहीं किया गया है।

परिच्छेद: जब तक निकट भविष्य में देश के पर्यावरण को नष्ट करने के लिए जिम्मेदार शक्तियों और प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगाया जाता और बंजर क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वनीकरण नहीं किया जाता, तब तक जलवायु परिस्थितियों की कठोरता और हवा और पानी से मिट्टी का कटाव बढ़ जाएगा। इस हद तक कि कृषि, जो हमारे लोगों का मुख्य आधार है, धीरे-धीरे असंभव हो जायेगी। दुनिया के रेगिस्तानी देश और राजस्थान में हमारे अपने रेगिस्तानी इलाके बड़े पैमाने पर वनों की कटाई के परिणामों की गंभीर याद दिलाते हैं। सतलज-गंगा के मैदान और दक्कन के पठार सहित देश के अन्य हिस्सों में अब रेगिस्तान जैसे परिदृश्य दिखाई दे रहे हैं। जहाँ कुछ दशक पहले तक बारहमासी जलधाराओं और झरनों के साथ हरे-भरे जंगल हुआ करते थे, वहाँ अब केवल भूरी धरती है, वनस्पति विहीन, बरसात के मौसम को छोड़कर जलधाराओं और झरनों में पानी नहीं है। (सीएसएटी 2022)

प्रश्न-58. ऊपर दिए गए परिच्छेद के अनुसार, वनों की कटाई और अनाच्छादन अंततः निम्नलिखित में से किसकी ओर ले जाएगा?

1. मृदा संसाधनों का ह्रास।

2. आम आदमी के लिए जमीन की कमी.

3. खेती के लिए पानी की कमी.

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर- (C)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है क्योंकि परिच्छेद में बड़े पैमाने पर वनों की कटाई के परिणामों का उल्लेख किया गया है जिसके परिणामस्वरूप मिट्टी के संसाधनों की कमी होगी, इसका सही उल्लेख किया गया है। **कथन 2** सही नहीं है क्योंकि कथन परिच्छेद के दायरे से परे है और इसमें आम आदमी से संबंधित कुछ भी उल्लेख नहीं है। **कथन 3** सही है और उस अनुच्छेद द्वारा अच्छी तरह से समर्थित है जिसमें वनों की कटाई के बाद जलवायु परिस्थितियों की कठोरता का उल्लेख किया गया है जिससे पानी की खेती में कमी हो सकती है।

परिच्छेद: जूते बनाने जैसे साधारण मामलों में, हम सोचते हैं कि केवल एक विशेष रूप से प्रशिक्षित व्यक्ति ही हमारे उद्देश्य को पूरा करेगा, लेकिन राजनीति में, हम मानते हैं कि हर कोई जो वोट प्राप्त करना जानता है, वह जानता है कि राज्य का प्रशासन कैसे करना है। जब हम बीमार होते हैं, तो विशिष्ट तैयारी और तकनीकी दक्षता की गारंटी होती है - हम सबसे सुंदर चिकित्सक, या सबसे वाक्पटु डॉक्टर की मांग नहीं करते हैं: ठीक है, जब पूरा राज्य बीमार होता है तो क्या हमें उसकी सेवा और मार्गदर्शन की तलाश नहीं करनी चाहिए सबसे बुद्धिमान और सर्वोत्तम? (2022)

प्रश्न- 59. निम्नलिखित में से कौन सा कथन गद्यांश के लेखक के संदेश को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?

(a) हम मानते हैं कि लोकतंत्र में, कोई भी राजनेता राज्य का प्रशासन करने के लिए योग्य है।
(b) राजनेताओं का चयन प्रशासन में प्रशिक्षित लोगों में से किया जाना चाहिए।
(c) हमें सार्वजनिक कार्यालय से अक्षमता को रोकने की एक विधि तैयार करने की आवश्यकता है।
(d) चूंकि मतदाता अपने प्रशासकों का चयन करते हैं, इसलिए राज्य का प्रशासन करने के लिए राजनेताओं की योग्यता पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है।

उत्तर- (B)

स्पष्टीकरण - लेखक द्वारा दिए गए संदेश के अनुसार **विकल्प (B) सही है।** यह चाहता है कि चुनाव में खड़े होने वाले उम्मीदवारों के कौशल सेट को प्रशासन में प्रशिक्षित किया जाए । अतः यह विकल्प सही है। **विकल्प (A)** सही नहीं है क्योंकि यह विकल्प सही प्रतीत होने के करीब है लेकिन परिच्छेद मानता है कि हर कोई जो वोट प्राप्त करना जानता है वह जानता है कि राज्य का प्रशासन कैसे किया जाता है लेकिन यह अनिवार्य रूप से एक धारणा है इसलिए यह विकल्प गलत है। **विकल्प (C)** गलत है क्योंकि यह विकल्प गद्यांश के दायरे से बाहर

जाता है और गद्यांश में उम्मीदवारों के लिए किसी भी प्रकार की रोक रखने का कोई उल्लेख नहीं है । **विकल्प (D)** फिर से गलत है क्योंकि लेखक राजनेताओं की योग्यता पर सवाल उठा रहा है और मतदाताओं से उन लोगों को वोट देने का आग्रह कर रहा है जो प्रशासन में विशेषज्ञ और प्रशिक्षित हैं। इसमें उन राजनेताओं का कोई जिक्र नहीं है जो मतदाताओं द्वारा चुने जाते हैं, उन पर सवाल नहीं उठाए जा सकते.

परिच्छेद: ग्रामोद्योग योजना के पीछे विचार यह है कि हमें अपनी दैनिक आवश्यकताओं की आपूर्ति के लिए गाँवों की ओर देखना चाहिए और जब हम पाते हैं कि कुछ आवश्यकताओं की आपूर्ति नहीं हो पा रही है, तो हमें यह देखना चाहिए कि क्या थोड़ी सी परेशानी और संगठन के साथ, उन्हें लाभकारी नहीं बनाया जा सकता है। ग्रामीणों द्वारा आपूर्ति की गई। लाभ का अनुमान लगाते समय हमें अपने बारे में नहीं बल्कि गांव वालों के बारे में सोचना चाहिए। हो सकता है कि शुरुआती दौर में हमें सामान्य कीमतों से कुछ अधिक कीमत चुकानी पड़े और सस्ते दाम पर घटिया वस्तु मिले। अगर हम अपनी ज़रूरतों के आपूर्तिकर्ता में दिलचस्पी लें और उसे बेहतर करने पर ज़ोर दें और उसे बेहतर करने में मदद करें तो चीज़ें बेहतर होंगी।

60. सबसे महत्वपूर्ण संदेश जो लेखक इस परिच्छेद में व्यक्त करना चाहता है

(a) यह इंगित करने के लिए कि ग्रामीण उद्योग शुरू से ही महंगा और घटिया होगा।
(b) शुरुआत में लागत और गुणवत्ता पर विचार के बावजूद ग्रामीण उद्योग के लिए मांग पैदा करना।
(c) दोनों (ए) और (बी)
(d) न तो (ए) और न ही (बी)

उत्तर- (B)

स्पष्टीकरण कथन 1 सही है क्योंकि ग्रामीण उद्योग शुरू से ही महंगा और घटिया माना जाता है। **कथन 2** सही है क्योंकि शुरुआत में लागत और गुणवत्ता पर विचार के बावजूद ग्रामोद्योग के लिए मांग पैदा करना आवश्यक है।

परिच्छेद: डेटा-संबंधित प्रयासों में निजी क्षेत्र का निवेश पहले से कहीं अधिक है। यह प्रवृत्ति स्वास्थ्य देखभाल और वित्तीय सेवाओं जैसे उद्योगों और विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों और कंपनियों में भिन्न है। वास्तव में, पिछले दो दशकों में, दुनिया ने फेसबुक, अमेज़ॅन, इंस्टाग्राम इत्यादि जैसी कंपनियों का उदय देखा है, जो विशेष रूप से लोगों के डेटा से राजस्व कमाते हैं।

हालाँकि, ऐसे कई क्षेत्र हैं जहाँ डेटा का सर्वव्यापी उपयोग और उपयोग नहीं किया जाता है। उदाहरण के लिए, कृषि बाज़ार पर विचार करें। यदि किसी किसान को कीमत की जानकारी प्राप्त करने का सीमांत लाभ उस जानकारी की सीमांत लागत से अधिक है, तो वह उस जानकारी के लिए भुगतान करेगा। नतीजतन, निजी क्षेत्र उसकी वांछित जानकारी इकट्ठा करके और उसे बेचकर उसकी जरूरतों को पूरा करेगा। यह अंततः एक राष्ट्रीय स्तर पर एकीकृत कृषि बाजार को जन्म देगा, जो तब होना चाहिए था जब आज डेटा का सीमांत लाभ वास्तव में लागत से अधिक है। कॉर्पोरेट क्षेत्र की डेटा तरंग को कृषि क्षेत्र में कोई समानता क्यों नहीं मिल पाई है?

प्रश्न-61. निम्नलिखित में से कौन सा स्पष्टीकरण कृषि बाजार डेटा-संबंधित प्रयासों में निजी क्षेत्र द्वारा उप-इष्टतम निवेश के बारे में परिच्छेद में कही गई बात का समर्थन करेगा?

(a) गोपनीयता और सुरक्षा खतरों ने कृषि क्षेत्र में संभावित डेटा उपयोग को कम कर दिया है।
(b) कृषि में डेटा के सीमांत लाभ केवल किसानों को नहीं बल्कि कई एजेंटों के बीच वितरित किए जाते हैं, जिनसे निजी क्षेत्र डेटा राजस्व एकत्र कर सकता है।
(c) कृषि क्षेत्र में संचित डेटा का खराब अनुप्रयोग है।
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर- (B)

स्पष्टीकरण- विकल्प (B) सही है क्योंकि यह अनुमान लगाता है कि कृषि में डेटा का सीमांत लाभ कई एजेंटों के बीच वितरित किया जाता है और अकेले किसान को नहीं, जिनसे निजी क्षेत्र डेटा राजस्व एकत्र कर सकता है जो कि एक सही उत्तर है । **विकल्प (A)** सही नहीं है क्योंकि गोपनीयता और सुरक्षा खतरों ने कृषि क्षेत्र में संभावित डेटा उपयोग को कम कर दिया है । **विकल्प (C)** गलत है क्योंकि यह गलत तरीके से मानता है कि कृषि क्षेत्र में संचित डेटा का खराब अनुप्रयोग है।

परिच्छेद: समान वितरण का वास्तविक निहितार्थ यह है कि प्रत्येक व्यक्ति के पास अपनी सभी प्राकृतिक जरूरतों को पूरा करने का साधन होगा और इससे अधिक नहीं। उदाहरण के लिए, यदि एक आदमी का पाचन कमजोर है और उसे अपनी रोटी के लिए केवल एक चौथाई पाउंड आटे की आवश्यकता है और दूसरे को एक पाउंड की जरूरत है, तो दोनों को अपनी

जरूरतों को पूरा करने की स्थिति में होना चाहिए। इस आदर्श को अस्तित्व में लाने के लिए संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था का पुनर्निर्माण करना होगा।

प्रश्न-62. लेखक के विचारों के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सी स्थिति समान वितरण का प्रतिनिधित्व करेगी?

(a) जहां सभी नागरिक समाज में समान संसाधनों तक पहुंच सकते हैं
(b) जहां सभी नागरिकों के पास उपभोग के बाद संसाधनों का कुछ अधिशेष होता है
(c) दोनों (ए) और (बी)
(d) न तो (ए) और न ही (बी)

उत्तर- (B)

स्पष्टीकरण- कथन (A) सही नहीं है क्योंकि यह कहता है कि सभी नागरिक समाज में समान संसाधनों तक पहुंच सकते हैं, कभी-कभी यह समान नहीं हो सकता है। **कथन 2** भी सही है क्योंकि यह अनुमान लगाता है कि उपभोग के बाद नागरिकों के पास संसाधनों का कुछ अधिशेष होना चाहिए।

परिच्छेद: मेरा मानना है कि मनुष्य को स्वयं नशा करने की बहुत कम आवश्यकता है। एक हजार में से 999 मामलों को अच्छी तरह से विनियमित आहार, पानी और पृथ्वी उपचार और इसी तरह के घरेलू उपचार का उपयोग करके ठीक किया जा सकता है। शरीर को भगवान के मंदिर के रूप में उपयोग करने के बजाय हम इसे भोग-विलास के साधन के रूप में उपयोग करते हैं और उन्हें बढ़ाने के हमारे प्रयास में मदद के लिए चिकित्सा पुरुषों के पास जाने और सांसारिक मंदिर का दुरुपयोग करने में शर्म नहीं करते हैं। यह कहावत काफी हद तक सच है कि इंसान जैसा खाता है वैसा ही बन जाता है। भोजन जितना स्थूल होगा, शरीर उतना ही स्थूल होगा।

63. परिच्छेद में जो कहा गया है, उसके संदर्भ में लेखक के विचारों के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

1. लेखक का मानना है कि आधुनिक औषधियाँ हमारी अधिकांश बीमारियों में बेकार हैं।

2. लेखक का मानना है कि अपने शरीर को भगवान के मंदिर के रूप में पूजा करना अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है।

3. लेखक हमारी बीमारियों के इलाज में पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में दृढ़ विश्वास रखता है।

(a) 1, 2, 3
(b) केवल 3
(c) 1,3
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर-(D)

स्पष्टीकरण - कथन 1 सही नहीं है क्योंकि यह गलत निर्णय देता है कि आधुनिक दवाएं अधिकांश बीमारियों में बेकार हैं। **कथन 2** गलत है क्योंकि यह निष्कर्ष निकाला गया है कि हमारे शरीर को भगवान के मंदिर के रूप में पूजा करना अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है जो गलत है क्योंकि अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छी तरह से विनियमित आहार और पानी आवश्यक है। **कथन 3** ग़लत है क्योंकि इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि लेखक पारंपरिक उपचार में विश्वास करता है। अतः, सभी कथन गलत हैं।

परिच्छेद : भारत सहित विकासशील देश इस बात पर जोर देते रहे हैं कि सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियाँ (सीबीडीआर) और इक्विटी चालू और भविष्य के सतत विकास वित्तपोषण का आधार बनी रहनी चाहिए। इसके बाद, सतत विकास पथ को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार रणनीतिबद्ध किए गए वित्तीय प्रवाह और कार्यान्वयन के साधनों को यह सुनिश्चित करना होगा कि नए और अतिरिक्त संसाधनों के बारे में प्रावधान पर्याप्त और पूर्वानुमानित हों।

प्रश्न- 64. निम्नलिखित में से कौन सा कथन तार्किक रूप से गद्यांश में कही गई बातों के अनुरूप कहा जा सकता है?

1. इस अनुच्छेद से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि भविष्य के सतत विकास वित्तपोषण को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर विकासशील देशों और विकसित देशों के बीच पर्याप्त मतभेद हैं।

2. विकासशील देशों का मानना है कि वित्तपोषण ऐसा होना चाहिए कि अतिरिक्त संसाधन पर्याप्त और पूर्वानुमानित हों।

(a) केवल उपरोक्त कथन (1) सही है।
(b) उपरोक्त केवल कथन (2) सही है।

(c) उपरोक्त दोनों कथन (1) और (2) सही हैं।
(d) न तो कथन (1) और न ही (2) सही है।

उत्तर- (B)

स्पष्टीकरण - कथन 1 गलत है क्योंकि इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि विकासशील देशों का मानना है कि भविष्य के सतत विकास वित्तपोषण को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर विकासशील देशों और विकसित देशों के बीच पर्याप्त मतभेद हैं, इसलिए यह एक गलत अनुमान है **। कथन 2** सही है क्योंकि इसमें कहा गया है कि विकासशील देशों का विचार है कि वित्तपोषण ऐसा होना चाहिए कि अतिरिक्त संसाधन पर्याप्त और पूर्वानुमानित हों।

परिच्छेद: मैं कहूंगा कि अगर गांव नष्ट हो जायेगा तो भारत भी नष्ट हो जायेगा। भारत नहीं रहेगा. दुनिया में उसका मिशन ख़त्म हो जायेगा। गाँव का पुनरुद्धार तभी संभव है जब इसका दोहन न हो। प्रतिस्पर्धा और विपणन की समस्याएँ आने पर बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण अनिवार्य रूप से ग्रामीणों के निष्क्रिय या सक्रिय शोषण को बढ़ावा देगा। इसलिए, हमें इस बात पर ध्यान केंद्रित करना होगा कि गांव आत्मनिर्भर बनें, मुख्य रूप से उपयोग के लिए विनिर्माण करें। यदि ग्रामीण उद्योग का यह चरित्र कायम रखा जाए, तो ग्रामीणों को उन आधुनिक मशीनों और उपकरणों का भी उपयोग करने में कोई आपत्ति नहीं होगी, जिन्हें वे बना सकते हैं और उपयोग करने में सक्षम हैं। उनका उपयोग दूसरों के शोषण के साधन के रूप में नहीं किया जाना चाहिए।

प्रश्न- 65. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और उन कथनों की पहचान करें जो लेखक के दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हैं कि बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण से गांवों की निष्क्रिय या सक्रिय व्याख्या होगी।

1. औद्योगीकरण से उत्पादन के साधन कुछ ही केन्द्रों में केन्द्रित हो जायेंगे जिससे ग्रामीण उत्पादन प्रतिस्पर्धा नहीं कर पायेगा।

2. गांवों में अपनी सभी बुनियादी आवश्यकताओं के निर्माण के लिए कच्चे माल की कमी है।

3. उत्पादन केंद्रों से गांवों तक विपणन और वितरण की ज़रूरतों से पूरे उत्पादन पर एकाधिकार हो सकता है।

(a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 1 और 3
(d) केवल 1

उत्तर- (B)

स्पष्टीकरण - कथन 1 सही है क्योंकि यह संदर्भित करता है कि औद्योगीकरण से उत्पादन के साधन कुछ केंद्रों में केंद्रित हो जाएंगे जिसके साथ ग्रामीण उत्पादन प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे, इसलिए यह सही होगा। **कथन 2** सही है क्योंकि अधिकांश गांवों में अपनी सभी बुनियादी आवश्यकताओं के निर्माण के लिए कच्चे माल की कमी है। **कथन 3** गलत है क्योंकि उत्पादन केंद्रों से गांवों तक विपणन और वितरण से पूरे उत्पादन का एकाधिकार हो सकता है, इसलिए यह गलत अनुमान लगाया गया है।

परिच्छेद:आज भारत में निर्णायक चुनौती रोजगार पैदा करना और विकास करना है। जब कंपनियां निवेश करती हैं और बढ़ती हैं तो फर्मों द्वारा नौकरियां पैदा की जाती हैं। इसलिए ऐसा माहौल बनाना महत्वपूर्ण है जो कंपनियों के निवेश के लिए अनुकूल हो। हालिया व्यापार चक्र मंदी के कारण निवेश में भारी गिरावट देखी गई है। इसलिए, निवेश को पुनर्जीवित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शीर्ष पर है। निवेश दीर्घकालिक विकास संभावनाओं के आधार पर किया जाता है। भारत में निवेश को पुनर्जीवित करने की कुंजी भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रवृत्ति वृद्धि दर को पुनर्जीवित करने में निहित है। तीन मोर्चों पर सुधारों की आवश्यकता है: निरंतर कम और स्थिर मुद्रास्फीति के लिए एक रूपरेखा बनाना, कर और व्यय सुधार के माध्यम से सार्वजनिक वित्त को एक स्थायी पथ पर स्थापित करना, और एक अच्छी तरह से कार्यशील बाजार अर्थव्यवस्था के लिए कानूनी और नियामक ढांचा तैयार करना।

प्रश्न-66. निम्नलिखित में से किसे परिच्छेद का सबसे तार्किक और महत्वपूर्ण संदेश कहा जा सकता है?

(a) व्यापार चक्र मंदी ने निवेश को नुकसान पहुंचाया है।
(b) अर्थव्यवस्था में नौकरियों का सृजन तभी हो सकता है जब फर्मों द्वारा निवेश और विकास हो।
(c) निवेश की कुंजी एक अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक विकास संभावनाएं हैं जो वर्तमान परिदृश्य में उज्ज्वल नहीं है।
(d) विकास और निवेश के लिए मुद्रास्फीति, कर और व्यय को नियंत्रित करने और एक कुशल बाजार अर्थव्यवस्था के लिए कानूनी और नियामक ढांचे के निर्माण से संबंधित सुधारों की आवश्यकता है।

उत्तर (B)

गद्यांश के अनुसार **विकल्प (D) सही है** विकास और निवेश से संबंधित सुधारों की आवश्यकता है, मुद्रास्फीति, कर और व्यय को नियंत्रित करना, और एक कुशल बाजार अर्थव्यवस्था के लिए कानूनी और नियामक ढांचे का निर्माण सही अनुमान होना चाहिए। **विकल्प (A)** सही नहीं है क्योंकि यह केवल इस बात पर जोर देता है कि व्यापार चक्र में मंदी निवेश को नुकसान पहुंचा सकती है, गलत है। **विकल्प (B)** गलत है, यह गलत तरीके से संदर्भित करता है कि अर्थव्यवस्था में नौकरियों का सृजन तभी हो सकता है जब फर्मों द्वारा निवेश और विकास हो। **विकल्प (C)** गलत है क्योंकि यह अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक वृद्धि बताता है जो वर्तमान परिदृश्य में उज्ज्वल नहीं है।

परिच्छेद: जब लोग राजनीतिक सत्ता पर कब्ज़ा कर लेते हैं, तो लोगों की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप न्यूनतम हो जाता है। दूसरे शब्दों में, एक राष्ट्र जो बिना किसी राज्य के हस्तक्षेप के अपने मामलों को सुचारू रूप से और प्रभावी ढंग से चलाता है वह वास्तव में लोकतांत्रिक है। जहां ऐसी स्थिति नहीं होती, वहां सरकार का स्वरूप नाम मात्र का लोकतांत्रिक होता है। लोकतंत्र और हिंसा शायद ही एक साथ चल सकें। जो राज्य आज नाममात्र के लिए लोकतांत्रिक हैं, उन्हें या तो स्पष्ट रूप से अधिनायकवादी बनना होगा या, यदि उन्हें वास्तव में लोकतांत्रिक बनना है, तो उन्हें साहसपूर्वक अहिंसक बनना होगा। यह कहना ईशनिंदा है कि अहिंसा का पालन केवल व्यक्ति ही कर सकते हैं, व्यक्तियों से बने राष्ट्र कभी नहीं कर सकते। लोकतंत्र का सार यह है कि प्रत्येक व्यक्ति उन सभी विविध हितों का प्रतिनिधित्व करता है जो राष्ट्र का निर्माण करते हैं। यह सच है कि यह विशेष हित के विशेष प्रतिनिधित्व को बाहर नहीं करता है और न ही बाहर करना चाहिए, लेकिन ऐसा प्रतिनिधित्व इसकी परीक्षा नहीं है। यह उसकी अपूर्णता का प्रतीक है।

प्रश्न- 67. निम्नलिखित धारणाओं पर विचार करें और जांच करें कि उनमें से कौन सी परिच्छेद में कही गई बातों के संदर्भ में मान्य हैं।

(a) लोकतंत्र अपने स्वभाव से ही अपने नागरिकों की स्वतंत्रता को कायम रखना सुनिश्चित करता है।
(b) लोकतंत्र बिना किसी अपवाद के अपने प्रत्येक नागरिक को वे सभी अधिकार प्रदान करता है जो वह प्रत्येक नागरिक को देता है।
(c) दोनों (A) और (B)
(d) न तो (A) और न ही (B)

उत्तर-(D)

स्पष्टीकरण - कथन 1 यह गलत है इस बात पर जोर देते हैं कि लोकतंत्र केवल नागरिकों की स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए है। **कथन 2** गलत है क्योंकि यह कहता है कि लोकतंत्र का अर्थ प्रत्येक नागरिक को सभी अधिकार प्रदान करना है, यह गलत है कि लोकतंत्र कभी भी विशेष हित की पूर्ति नहीं करता है।

परिच्छेद: समाजवाद एक सुंदर शब्द है और जहाँ तक मैं जानता हूँ, समाजवाद में समाज के सभी सदस्य समान रूप से निम्न होते हैं, कोई भी ऊँचा नहीं होता। व्यक्तिगत शरीर में, सिर ऊंचा नहीं है क्योंकि यह शरीर का शीर्ष है, न ही पैरों के तलवे नीचे हैं क्योंकि वे पृथ्वी को छूते हैं। जिस प्रकार व्यक्तिगत शरीर के सदस्य समान होते हैं, उसी प्रकार समाज के सदस्य भी समान होते हैं। यही समाजवाद है. इसमें राजकुमार और किसान, अमीर और गरीब, मालिक और कर्मचारी सभी एक ही स्तर पर हैं। धर्म की दृष्टि से समाजवाद में कोई द्वैत नहीं है। यह सब एकता है. दुनिया भर के समाज पर नजर डालें तो द्वंद्व या बहुलता के अलावा कुछ नहीं दिखता। एकता अपनी अनुपस्थिति से ही स्पष्ट होती है। यह आदमी ऊंचा है, वह नीचा है, वह हिंदू है, वह मुसलमान है, तीसरा ईसाई है, चौथा पारसी है, पांचवां सिख है, छठा यहूदी है। इनमें भी उपविभाग हैं। मेरी अवधारणा की एकता में, डिजाइनों की बहुलता में पूर्ण एकता है। इस स्थिति तक पहुंचने के लिए, हम चीजों को दार्शनिक रूप से नहीं देख सकते हैं और कह सकते हैं कि जब तक सभी लोग समाजवाद में परिवर्तित नहीं हो जाते, तब तक हमें कोई कदम उठाने की जरूरत नहीं है। अपने जीवन को बदले बिना, हम पते देते रह सकते हैं, पार्टियाँ बनाते रह सकते हैं, और जब खेल हमारे सामने आता है तो बाज की तरह उस पर कब्ज़ा कर लेते हैं। यह कोई समाजवाद नहीं है. जितना अधिक हम इसे जब्त किए जाने वाले खेल के रूप में मानते हैं, उतना ही यह हमसे दूर होता जाएगा। समाजवाद की शुरुआत पहले धर्म परिवर्तन से होती है। यदि ऐसा कोई है, तो आप उसमें शून्य जोड़ सकते हैं, और पहला शून्य दस के लिए गिना जाएगा, और प्रत्येक जोड़ पिछली संख्या से दस गुना गिना जाएगा। हालाँकि, यदि शुरुआत करने वाला शून्य है, तो दूसरे शब्दों में, कोई भी शुरुआत नहीं करता है; शून्यों की बहुलता भी शून्य मान उत्पन्न करेगी। शून्य लिखने में लगने वाला समय और कागज इतना बर्बाद हो जाएगा। यह समाजवाद क्रिस्टल की तरह पवित्र है। इसलिए, इसे प्राप्त करने के लिए क्रिस्टल जैसे साधनों की आवश्यकता होती है। अशुद्ध का अर्थ अशुद्ध अंत होता है। इसलिए राजकुमार का सिर काटने से राजकुमार और किसान बराबर नहीं होंगे, न ही सिर काटने की प्रक्रिया नियोक्ता और नियोजित को बराबर कर सकती है।

प्रश्न-68. लेखक के अनुसार समाजवाद का सार क्या है?

1. सभी मनुष्यों की समानता

2. सभी के लिए समान अवसर

3. समाजवाद के सिद्धांत में सभी का विश्वास

(a) 1, 2, 3
(b) केवल 1
(c) 1, 2
(d) केवल 2

उत्तर-(C)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है क्योंकि अनुच्छेद की प्रारंभिक पंक्ति यह अनुमान लगाती है कि समाज के सभी सदस्य समान हैं, इसलिए यह विकल्प सही है। **कथन 2** परिच्छेद का अनुसरण नहीं करता है क्योंकि परिच्छेद में समान अवसर का उल्लेख नहीं किया गया है। **कथन 3** अनुसरण नहीं करता है क्योंकि अनुच्छेद समाज में समानता के आसपास केंद्रित है जिसे समाजवाद कहा जाता है, इसलिए ऐसा कहना गलत है।

प्रश्न- 69. निम्नलिखित में से कौन लेखक की समाजवाद की अवधारणा से निहित है/हैं?

(a) पूंजीपति को ख़त्म करके समाजवाद हासिल नहीं किया जा सकता
(b) समाजवाद स्पष्ट रूप से प्रतीत होने वाली विविधता में एकता का तात्पर्य करता है।
(c) दोनों (ए) और (बी) निहित हैं
(d) न तो (ए) और न ही (बी) निहित है।

उत्तर (C)

स्पष्टीकरण- कथन 1 का तात्पर्य यह है कि समाजवाद को पूंजीवाद द्वारा प्राप्त नहीं किया जा सकता है। **कथन 2** में निहित है कि समाजवाद सिद्धांत विविधता में एकता में निहित है।

प्रश्न-70. परिच्छेद में जो कहा गया है, उसके संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही नहीं है?

(a) समाजवाद प्राप्त करने के लिए शुद्ध साधनों की आवश्यकता होती है।
(b) हमारे द्वारा किए जाने वाले कार्य की प्रकृति हमें समाज में ऊंचा या नीचा नहीं बनाती है।

(c) समाजवाद प्राप्त करने के लिए पूर्ण एकता आवश्यक है।
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (C)

स्पष्टीकरण - विकल्प (C) सही संदेश नहीं देता है जिसका अर्थ सही नहीं है क्योंकि समानता प्राप्त करने के लिए पूर्ण एकता आवश्यक नहीं है । **विकल्प (A)** सही है क्योंकि पांचवें पैराग्राफ में यह दर्शाया गया है कि समाजवाद क्रिस्टल की तरह शुद्ध है इसलिए इसे क्रिस्टल जैसी शुद्धता की आवश्यकता है। **विकल्प (B)** अनुसरण करता है क्योंकि यह काम की वास्तविक प्रकृति है जो समाज में ऊँच-नीच नहीं करती।

परिच्छेद: पीएटी राष्ट्रीय उन्नत ऊर्जा दक्षता मिशन के तहत बड़े ऊर्जा-गहन उद्योगों में ऊर्जा-दक्षता प्रमाणपत्रों के व्यापार के लिए एक योजना है। पहचाने गए उद्योगों को तीन साल की निर्दिष्ट अवधि के भीतर अपनी विशिष्ट ऊर्जा खपत (एसईसी) में सुधार करना होगा या जुर्माना प्रावधानों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही, यह तंत्र कुशल उद्योगों को अन्य नामित उपभोक्ताओं के साथ अपनी अतिरिक्त प्रमाणित ऊर्जा बचत (जो निर्धारित लक्ष्य से आगे जाती है) का व्यापार करने की सुविधा प्रदान करता है, जो अपने एसईसी-कटौती लक्ष्यों का अनुपालन करने के लिए इन प्रमाणपत्रों का उपयोग कर सकते हैं। बारहवीं पंचवर्षीय योजना में, पीएटी योजना से कोयला, तेल, गैस और बिजली में वार्षिक बचत के बराबर लगभग 15 मिलियन टन तेल प्राप्त होने की संभावना है (पहले चरण में 6.686 मिलियन टन तेल-समतुल्य ऊर्जा बचत सहित) . इसी प्रकार, नवीकरणीय खरीद दायित्व (आरपीओ) राज्य स्तर पर नियामक हस्तक्षेपों के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा के लिए घरेलू बाजार बना रहा है। आरपीओ नवीकरणीय ऊर्जा का न्यूनतम स्तर है (कुल खपत में से) जिसके लिए बाध्य संस्थाएं (डिस्कॉम, कैप्टिव पावर प्लांट और ओपन एक्सेस उपभोक्ता) वितरण लाइसेंसधारी के क्षेत्र में खरीद की हकदार हैं। यह दायित्व राज्य विद्युत नियामक आयोग (एसईआरसी) द्वारा अनिवार्य है। चूंकि नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत पूरे भारत में समान रूप से फैले हुए नहीं हैं, इसलिए एसईआरसीएस सभी राज्यों के लिए आरपीओएस का एक रैखिक स्तर निर्दिष्ट नहीं कर सकता है। आरपीओ तंत्र के तहत नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसीएस) एक ऐसा उपकरण है जो बाध्य संस्थाओं को आरईसी के मालिक के साथ नवीकरणीय ऊर्जा खरीदने का दावा करने में सक्षम होने के साथ अधिशेष या घाटे वाले आरईसी का व्यापार करके अपने नवीकरणीय खरीद दायित्व को पूरा करने में सक्षम बनाता है।

प्रश्न- 71. एसईआरसी सभी राज्यों के लिए समान आरपीओ निर्दिष्ट क्यों नहीं कर सकता?

(a) सभी राज्यों और बाध्य विभागों के पास आरपीओ मानदंडों का अनुपालन करने के लिए समान राजकोषीय स्वास्थ्य और वित्तीय साधन नहीं हैं।
(b) सभी राज्यों और बाध्य वितरण कंपनियों आदि के पास नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों तक समान पहुंच नहीं है।
(c) सभी राज्यों और बाध्य विषयों में बिजली/ऊर्जा उत्पादन संयंत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग का एक समान स्तर नहीं है।
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर (B)

स्पष्टीकरण - विकल्प (B) इस प्रकार है जिससे यह अनुमान लगाया जाता है सभी राज्यों और बाध्य वितरण कंपनियों के पास नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों तक समान पहुंच नहीं है, इसलिए यह विकल्प सही है। **विकल्प (A) का** यह अर्थ नहीं है कि राज्यों और बाध्य विभागों के पास आरपीओ मानदंडों का अनुपालन करने के लिए समान राजकोषीय स्वास्थ्य और वित्तीय साधन नहीं हैं। **विकल्प (C) सही नहीं** है क्योंकि यह इस बात पर जोर देता है कि सभी राज्यों और बाध्य विषयों में बिजली/ऊर्जा उत्पादन संयंत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग का एक समान स्तर नहीं है। यह कहना गलत है कि बाध्य विषयों में ऊर्जा स्रोतों के समान स्तर नहीं हैं। .

72. PAT के अंतर्गत विशिष्ट ऊर्जा खपत में सुधार के लक्ष्य लागू होंगे

1. उद्योगों की सभी श्रेणियाँ

2. सभी ऊर्जा-गहन और बड़े उद्योग

3. एक विशेष स्तर से नीचे ऊर्जा दक्षता वाले सभी उद्योग

(a) 1, 2, 3
(b) केवल 2
(c) 2, 3
(d) 1, 2

उत्तर (B)

स्पष्टीकरण - गद्यांश में , पहली पंक्ति में उल्लेख किया गया है कि एनएमईईई के तहत प्रमाण पत्र बड़े ऊर्जा-गहन उद्योगों के लिए हैं।

73. आरपीओ के संभावित प्रभाव निम्नलिखित में से कौन से हैं?

2. इससे समग्र ऊर्जा उत्पादन में उत्पादित नवीकरणीय ऊर्जा के अनुपात में सुधार होगा।

3. यह डिस्कॉम को 'कार्बन क्रेडिट' अर्जित करने में मदद करेगा जिसका व्यापार किया जा सकता है।

(a) केवल 2
(b) केवल मैं
(c) 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर (A)

स्पष्टीकरण - अनुच्छेद में यह उल्लेख किया गया है कि आरपीओ राज्य स्तर पर नियामक हस्तक्षेपों के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा के लिए घरेलू बाजार बनाने में मदद करेगा।

परिच्छेद: दुनिया भर में सभी जैविक प्राणियों के बीच अस्तित्व के लिए संघर्ष अनिवार्य रूप से उनकी वृद्धि की उच्च ज्यामितीय शक्तियों से उत्पन्न होता है। यह माल्थस का सिद्धांत है, जो संपूर्ण पशु एवं वनस्पति जगत पर लागू होता है। प्रत्येक प्रजाति के जीवित रहने की क्षमता से अधिक व्यक्ति पैदा होते हैं; और, परिणामस्वरूप, अस्तित्व के लिए बार-बार होने वाला संघर्ष होता है, इसका मतलब यह है कि जीवन की जटिल और कभी-कभी बदलती परिस्थितियों के तहत, किसी भी प्राणी के लिए, यदि इसमें थोड़ा भी, किसी भी तरह से लाभ होता है, तो उसके पास बेहतर मौका होगा। जीवित रहना, और इस प्रकार स्वाभाविक रूप से चयनित होना। वंशानुक्रम के मजबूत सिद्धांत से, कोई भी चयनित किस्म अपने नए और संशोधित रूप का प्रचार करेगी। जब हम अपने पुराने खेती वाले पौधों और जानवरों की एक ही किस्म या उप-किस्म के व्यक्तियों को देखते हैं, तो सबसे पहला बिंदु जो हमें ध्यान में आता है, वह यह है कि वे आम तौर पर किसी भी एक के व्यक्तियों की तुलना में एक-दूसरे से कहीं अधिक भिन्न होते हैं। प्रकृति की अवस्था में प्रजाति या विविधता। जब हम उन पौधों और जानवरों की विशाल विविधता पर विचार करते हैं जिनकी खेती की गई है, और जो विभिन्न जलवायु और उपचार के तहत सभी युगों के दौरान भिन्न रहे हैं, तो मुझे लगता है कि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचने के

लिए प्रेरित होते हैं कि यह अधिक परिवर्तनशीलता केवल हमारे घरेलू उत्पादन के कारण है। जीवन की ऐसी परिस्थितियों में पले-बढ़े हैं जो इतनी समान नहीं हैं, और उनसे कुछ हद तक भिन्न हैं, जिनसे प्रकृति के तहत माता-पिता की प्रजातियों को अवगत कराया गया है। मुझे लगता है कि एंड्रयू नाइट द्वारा प्रतिपादित दृष्टिकोण में कुछ संभावना यह भी है कि यह परिवर्तनशीलता आंशिक रूप से अतिरिक्त भोजन से जुड़ी हो सकती है। यह बिल्कुल स्पष्ट प्रतीत होता है कि किसी भी प्रशंसनीय मात्रा में भिन्नता उत्पन्न करने के लिए जैविक प्राणियों को कई पीढ़ियों के दौरान जीवन की नई परिस्थितियों में उजागर किया जाना चाहिए; और यह कि जब संगठन एक बार बदलना शुरू कर देता है, तो यह आम तौर पर कई पीढ़ियों तक बदलता रहता है।

74. लेखक के अनुसार प्राकृतिक चयन क्यों होगा?

(a) प्राकृतिक चयन आवश्यक है क्योंकि पारिस्थितिकी तंत्र में जैविक संसाधनों पर हमेशा दबाव रहता है।
(b) वे प्रजातियाँ, जो बेहतर ढंग से जीवित रहने के लिए विकसित हुईं या बदल गईं, स्वाभाविक रूप से पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा चुनी गईं और अधिक प्रचारित हुईं।
(c) दोनों (ए) और
(d) न तो (ए) और न ही (बी) सही कारण है।

उत्तर (B)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है जैसा कि यह योग्यतम के जीवित रहने के सिद्धांत का निष्कर्ष निकालता है, जो प्रजातियाँ विकसित हुईं या उपयुक्त रूप से बदल गईं, वे बेहतर जीवित रह सकती हैं **। कथन 2** सही नहीं है क्योंकि प्राकृतिक प्रजातियों को पारिस्थितिकी तंत्र में जैविक संसाधनों पर दबाव बनाने की आवश्यकता नहीं है।

प्रश्न- 75. लेखक के अनुसार, प्रकृति में पाए जाने वाले पालतू/खेती किए गए जानवरों और पौधों के बीच एक ही किस्म/उप-किस्म के व्यक्तियों के बीच अत्यधिक भिन्नता का कारण क्या है?

1. पालतू बनाने/मानव खेती ने उन्हें स्वाभाविक रूप से होने वाली स्थितियों से भिन्न परिस्थितियों में उजागर किया।

2. पालतू बनाने/मानव खेती ने क्रॉस-ब्रीडिंग की अधिक संभावना को सक्षम किया, जिससे व्यक्तियों में अधिक विविधता आई।

(a) केवल 1 सही कारण है

(b) केवल 2 ही सही कारण है।
(c) 1 और 2 दोनों सही कारण हैं।
(d) न तो 1 और न ही 2 सही कारण है।

उत्तर (A)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही नहीं है क्योंकि यह इंगित करता है कि जीवन की अलग-अलग स्थितियों में कभी-कभी महान भिन्नता होने से जीवित रहने की बेहतर संभावना होगी। **कथन 2** गलत है क्योंकि मानव खेती के वर्चस्व ने क्रॉस-ब्रीडिंग की अधिक संभावना को सक्षम किया, जिससे व्यक्तियों में अधिक विविधता आई।

प्रश्न- 76. उपरोक्त परिच्छेद में वर्णित माल्थस के सिद्धांत में निम्नलिखित में से कौन सा निहित है?

1. कुछ समय के बाद जैविक प्राणियों की वृद्धि की ज्यामितीय शक्तियाँ स्थिर या कम हो जाएँगी।

2. कुछ समय के बाद जैविक प्राणियों को परिवर्तनों के अनुरूप ढलना होगा और विकसित होना होगा।

3. जैविक प्राणियों के बीच हमेशा अस्तित्व के लिए संघर्ष होगा क्योंकि उनकी ज्यामितीय रूप से बढ़ती संख्या समान पारिस्थितिक स्थान साझा करेगी।

(a) 1, 2, 3
(b) 2, 3
(c) केवल 2
(d) केवल 3

उत्तर (D)

स्पष्टीकरण- माल्थस के सिद्धांत के अनुसार कथन 3 सही है, जो कि ज्यामितीय रूप से बढ़ती संख्या वाले कार्बनिक प्राणियों के बीच संघर्ष करेगा या अस्तित्व में रहेगा जो कुछ पारिस्थितिक स्थान साझा करेंगे। **कथन 1** ग़लत है क्योंकि जैविक प्राणियों की वृद्धि की ज्यामितीय शक्तियाँ स्थिर या कम नहीं होंगी। **कथन 2** सही नहीं है क्योंकि यह इस बात पर जोर देता है कि एक विशिष्ट अवधि में, जैविक प्राणी पनप सकते हैं या कम हो सकते हैं।

परिच्छेद: मैंने जिस लोकतंत्र की परिकल्पना की है, अहिंसा द्वारा स्थापित लोकतंत्र में सभी को समान स्वतंत्रता होगी। हर कोई अपना स्वामी स्वयं होगा. ऐसे लोकतंत्र के लिए संघर्ष में शामिल होने के लिए मैं आज आपको आमंत्रित करता हूं। एक बार जब आपको इसका एहसास हो जाएगा तो आप हिंदू और मुसलमानों के बीच के मतभेदों को भूल जाएंगे और खुद को केवल भारतीय ही समझेंगे, जो आजादी के लिए साझा संघर्ष में लगे हुए हैं। फिर, अंग्रेजों के प्रति आपके दृष्टिकोण का प्रश्न है। मैंने देखा है कि लोगों में अंग्रेजों के प्रति नफरत है। लोगों का कहना है कि वे उनके व्यवहार से निराश हैं. लोग ब्रिटिश साम्राज्यवाद और ब्रिटिश लोगों के बीच कोई अंतर नहीं करते। उनके लिए दोनों एक हैं. हमें इस भावना से छुटकारा पाना होगा। हमारा झगड़ा ब्रिटिश लोगों से नहीं है, हम उनके साम्राज्यवाद से लड़ते हैं। ब्रिटिश सत्ता की वापसी का प्रस्ताव गुस्से से नहीं आया। यह वर्तमान महत्वपूर्ण मोड़ पर भारत को अपनी उचित भूमिका निभाने में सक्षम बनाने के लिए आया है। जब संयुक्त राष्ट्र युद्ध कर रहा हो तो भारत जैसे बड़े देश के लिए केवल स्वेच्छा से प्राप्त धन और सामग्री से मदद करना कोई सुखद स्थिति नहीं है। जब तक हम स्वतंत्र नहीं होंगे तब तक हम त्याग और वीरता की सच्ची भावना जागृत नहीं कर सकते। मैं जानता हूं कि जब हमने पर्याप्त आत्म-बलिदान कर दिया है तो ब्रिटिश सरकार हमसे आजादी नहीं छीन सकेगी। इसलिए, हमें स्वयं को घृणा से मुक्त करना चाहिए। मैं अपनी बात कहूं तो कह सकता हूं कि मुझे कभी कोई नफरत महसूस नहीं हुई. मैं खुद को अब अंग्रेजों का पहले से कहीं ज्यादा बड़ा मित्र महसूस करता हूं। इसका एक कारण यह है कि वे आज संकट में हैं। इसलिए, मेरी दोस्ती की मांग है कि मैं उन्हें उनकी गलतियों से बचाने की कोशिश करूं। जहां तक मैं स्थिति को देखता हूं, वे रसातल के कगार पर हैं। इसलिए, यह मेरा कर्तव्य बन जाता है कि मैं उन्हें उनके खतरे के प्रति आगाह करूँ, भले ही कुछ समय के लिए यह उन्हें इस हद तक क्रोधित कर दे कि मैं उनकी मदद के लिए बढ़ाए गए मित्रतापूर्ण हाथ को काट दूँ। लोग हँस सकते हैं, फिर भी, यह मेरा दावा है। ऐसे समय में जब मुझे अपने जीवन का सबसे बड़ा संघर्ष शुरू करना पड़ सकता है, मैं किसी के प्रति घृणा नहीं रख सकता।

प्रश्न- 77. निम्नलिखित में से किसको परिकल्पित लोकतंत्र की विशेषताओं में से एक के रूप में वर्णित नहीं किया गया है?

(a) इसमें सांप्रदायिक सद्भाव होगा।
(b) यह जाति और पंथ के आधार पर भेदभाव से मुक्त होगा।
(c) यह अहिंसा द्वारा स्थापित किया जाएगा.
(d) यह सभी को समान स्वतंत्रता प्रदान करेगा।

उत्तर- (B)

स्पष्टीकरण- विकल्प (B) सही है क्योंकि यह इस बात पर जोर देता है कि एक अच्छा लोकतंत्र जाति और पंथ के आधार पर भेदभाव से मुक्त होगा जिसका गलत अनुमान लगाया गया है। **विकल्प (A) (C)** और **(D)** में अच्छी लोकतांत्रिक विशेषताओं की कल्पना की गई है।

प्रश्न- 78. कथावाचक स्वयं से घृणा को दूर करने का आह्वान क्यों करता है?

1. यह भेद करना कि उनका संघर्ष ब्रिटिश साम्राज्यवाद के प्रति है, अंग्रेजों के प्रति नहीं; ऐसे में उनकी नफरत अनुचित है।

2. स्वयं को आत्म-बलिदान के उत्साह से भरने के लिए, उन्हें स्वयं को घृणा से मुक्त करना होगा।

(a) वैध कारण केवल 1 है।
(b) वैध कारण केवल 2 है।
(c) 1 और 2 दोनों वैध कारण हैं।
(d) न तो 1 और न ही 2 वैध कारण हैं।

उत्तर (C)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है यह ब्रिटिश साम्राज्यवाद में अंग्रेजों के प्रति घृणा और उनके व्यवहार पर जोर देता है। **कथन 2** सही है क्योंकि यह घृणा के आत्म-बलिदान के पक्ष से प्रेरित लोगों पर जोर देता है।

परिच्छेद: कार्ल मार्क्स आमतौर पर श्रम उत्पादन के पूंजीवादी युक्तिकरण के लिए जाने जाते हैं । आज यह फ़ैक्टरी के अलावा कई संस्थाओं और यहां तक कि तथाकथित समाजवादी प्रणालियों सहित हर आधुनिक राजनीतिक व्यवस्था में भी प्रतिलेखन करता है। यह चिंता एक अशक्त और अकुशल श्रम शक्ति पर नियंत्रण की समस्या से उत्पन्न हुई , लेकिन हर जगह यह संदेश प्रमाणित होता है, चाहे वह फौकॉल्ट की कैद हो या हेबरमास का सार्वजनिक क्षेत्र, हर जगह यह पैटर्न कायम है। तकनीकी डिज़ाइन और विकास को विशिष्ट सामाजिक व्यवस्था के भौतिक आधार के रूप में मार्क्स के इस पैटर्न द्वारा आकार दिया गया है।

प्रश्न 79. दिए गए कथन के उत्तर में आप क्या उत्तर देंगे?

(a) श्रम , शोषणकारी उपयोग, पूंजीवाद और सामाजिक व्यवस्था के कट्टरपंथीकरण पर जबरन आदेश के खिलाफ एक तथाकथित सामाजिक व्यवस्था है ।
(b) कट्टरपंथी पूंजीवाद के सिद्धांत के लिए मार्क्स की अक्सर आलोचना की जाती थी।

(c) श्रम शक्तियों के शोषणकारी उपयोग के लिए था ।
(d) मार्क्स ने फूको और हेबरमास द्वारा दिये गये सिद्धांत को बेरहमी से कुचल दिया।

उत्तर- A
स्पष्टीकरण :

विकल्प ए मार्क्सवादी विचारधारा को सही ढंग से बताता है जबकि **विकल्प B, C और D को** गलत तरीके से समायोजित किया गया है। मार्क्स कभी भी उग्र पूंजीवाद के पक्ष में नहीं थे; फौकॉल्ट का जेल आंदोलन सजा के आधुनिक रूप के प्रतीक के रूप में जेल का उदय था। मार्क्स ने फौकॉल्ट और हेबरमास के सिद्धांत की आलोचना नहीं की।

परिच्छेद: जैसे-जैसे सोवियत सत्ता का पतन हुआ, दुनिया कुछ हद तक बहुध्रुवीय हो गई और यूरोप ने एक स्वतंत्र पहचान को परिभाषित करने का प्रयास किया। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए यूरोप ने कैसी यात्रा की है। इसने हर सदी में अपनी आंतरिक संरचना को बदला और अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की प्रकृति के बारे में सोचने के नए तरीकों का आविष्कार किया। अब एक युग की समाप्ति पर, यूरोप ने, इसमें भाग लेने के लिए, उन राजनीतिक तंत्रों को अलग करने के लिए बाध्य महसूस किया जिनके माध्यम से उसने साढ़े तीन शताब्दियों तक अपने मामलों का संचालन किया था। जर्मनी के उभरते एकीकरण को कम करने की इच्छा से प्रेरित होकर, नए यूरोपीय संघ ने 2002 में एक आम मुद्रा और 2004 में एक औपचारिक राजनीतिक संरचना की स्थापना की। इसने शांतिपूर्ण तंत्र द्वारा अपने मतभेदों को समायोजित करते हुए, एकजुट, संपूर्ण और स्वतंत्र यूरोप की घोषणा की।

प्रश्न-80. नीचे दिए गए परिच्छेद के बाद चार वैकल्पिक सारांश दिए गए हैं। वह विकल्प चुनें जो अनुच्छेद के सार को सबसे अच्छी तरह दर्शाता हो।

(a) यूरोप ने बदलती विश्व व्यवस्था को सफलतापूर्वक अपनाने के लिए अपनी आंतरिक संरचना में लगातार बदलाव किया है।
(b) बदलती विश्व व्यवस्था के अनुरूप यूरोप लगातार बदलता रहा है और इसकी परिणति एकजुट यूरोप में हुई है।
(c) जर्मनी के एकीकरण और एक बहुध्रुवीय दुनिया के उद्भव से यूरोप में एक औपचारिक राजनीतिक संरचना की स्थापना तेज हो गई थी।
(d) यूरोप ने खुद को उभरते बहुध्रुवीय विश्व के अनुरूप ढालने के लिए राजनीतिक और आर्थिक विविधता को कम करने का विकल्प चुना है।

उत्तर-(D)

स्पष्टीकरण- विकल्प (D) परिच्छेद का सच्चा सार है, एक सामान्य मुद्रा चुनकर इसने आर्थिक विविधता को कम करने की कोशिश की है, और यूरोपीय संघ की स्थापना करके इसने राजनीतिक विविधता को कम करने की कोशिश की है। इस प्रकार, यह सार को पकड़ लेता है। जबकि **A, B,** और **C** संदर्भ से बाहर चले जाते हैं और इसलिए, सार को भूल जाते हैं।

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR